मोदी सरकार 3.0 ने शपथ ले ली है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित भव्य समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कुल 72 मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। शपथ ग्रहण के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के बाद दूसरे नंबर पर राजनाथ सिंह ने शपथ ली।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:179 दिनांक: 10-06-2024 सोमवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

जम्मू संभाग के रियासी जिले के प्रसिद्ध शिव मंदिर शिवखोड़ी से दर्शन कर लौट रहे यात्रियों की बस पर घात लगाकर आतंकियों की ओर से किए गए हमले के बाद बस गहरी खाई में जा गिरी। इस घटना में 10 लोगों की मौत हो गई, इसके अलावा 33 लोग घायल हैं।

मोदी सरकार 3.0: नई शुरूआत, नया आगाज, नया अंदाज..

-कुछ नए और कुछ पुराने मंत्रियों को मिलाकर बना जंबो मंत्रिपरिषद, सहयोगी पार्टियों के 11 मंत्री बनाए गए, मोदी मंत्रिमंडल में फिलहाल शामिल नहीं होगी एनसीपी

72 मंत्रियों के साथ मोदी की शपथ

-केंद्रीय मंत्रिमंडल में 30 कैबिनेट, 36 राज्यमंत्री, 5 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

-शिवराज केंद्र में पहली बार मंत्री बने...मप्र से सिंधिया, वीरेंद्र खटीक, सावित्री ठाकुर, दुर्गादास उइके ने भी ली शपथ

नई दिल्ली (ईएमएस) । नरेंद्र मोदी ने रविवार को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री की शपथ ली। जवाहरलाल नेहरू के बाद हैट्रिक बनाने वाले वो दूसरे प्रधानमंत्री बन जाएंगे। राष्ट्रपति द्रोपदी मूर्मु ने मंत्रियों को राजभवन में पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मोदी 3.0 के शपथग्रहण आयोजित में कई विदेशी मेहमान भी शामिल हुए। नरेंद्र मोदी के साथ 72 मंत्रियों ने शपथ ली। जिसमें 30 कैबिनेट, 36 राज्यमंत्री, 5 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) शामिल हैं। इनमें करीब 21 सवर्ण, 27 ओबीसी, 10 दलित, 5 आदिवासी और 5 अल्पसंख्यक जाति के सांसद शामिल हैं। भाजपा ने जातिगत समीकरण को ध्यान में रखते हुए कैबिनेट का बंटवारा किया है।

मोदी ने रविवार सुबह राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद वे अटलजी की समाधि और नेशनल वॉर मेमोरियल गए। सुबह मोदी ने अपने आवास पर संभावित मंत्रियों के साथ मीटिंग की। सूत्रों के अनुसार, जो मंत्रालय भाजपा अपने पास रखेगी, उनमें गृह मंत्रालय वित्त मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और रक्षा जैसे मंत्रालय अपने पास रखेगी। ये सभी ऐसे मंत्रालय हैं जो मोदी सरकार के पिछले दो कार्यकाल के दौरान भाजपा के पास ही थे। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा स्पीकर को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है जिस पर सहयोगी दलों की भी नजर है। पिछली दो सरकारों में भाजपा नेता सुमित्रा महाजन और ओम बिरला लोकसभा स्पीकर रहे थे।

62 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी

शपथ लेने के साथ ही नरेंद्र मोदी ने पूर्व पीएम पंडित जवाहर लाल नेहरू के लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनने के 62 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। नेहरू 1952, 1957 और 1962 में लगातार 3 बार पीएम बने थे। हालांकि, नेहरू की सरकार पूर्ण बहुमत की थी। मोदी की तीसरी पारी गठबंधन की बुनियाद पर चलेगी। प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में भारत के पड़ोसी देशों और हिंद महासागर क्षेत्र के नेता शामिल हुए। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीफ, बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड और भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे समारोह में शामिल हुए।

कैबिनेट से कम मंजूर नहीं: अजित पवार

एनसीपी चीफ अजित पवार ने कहा कि हमें राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के बारे में सूचना मिली लेकिन प्रफुल्ल पटेल खुद भारत सरकार के कैबिनेट मंत्री पहले रह चुके हैं। हमें खुशी है कि उन्होंने हमें सूचना दी लेकिन उनके लिए यह पद लेना थोड़ा कठिन है...जो अटकलें लगाई जा रही हैं वह गलत हैं, कोई मतभेद नहीं है। वहीं, एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने भी कहा कि गठबंधन में कोई मतभेद नहीं है। मुझे राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार के लिए सूचना मिली है, लेकिन मैं पहले से कैबिनेट मंत्री था, इसलिए मैंने इस ओहदे को स्वीकारन करने से मना कर दिया था। इसे लेकर गठबंधन में कोई मतभेद नहीं है।

20 मंत्रियों का कटा पत्ता

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में अहम विभाग संभालने वाले 20 मंत्रियों का इस बार पत्ता कटा है। उनमें स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर, राजीव चंद्रशेखर, अजय मिश्रा टेनी, जनरल वीके सिंह, अश्विनी चौबे और नारायण राणे का नाम शामिल है। इसी तरह से अजय भट्ट, साध्वी निरंजन ज्योति, मीनाक्षी लेखी, राजकुमार रंजन सिंह, आरके सिंह, अर्जुन मुंडा, निशीथ प्रमाणिक, सुभाष सरकार, जॉन बारला, भारती पंवार, रावसाहेब दानवे, कपिल पाटिल, नारायण राणे और भगवत कराड को भी कैबिनेट में जगह नहीं मिली है।

हालांकि, इनमें से कुछ नेता ऐसे हैं, जिन्हें चुनावी हार मिली है, जबकि कुछ को इस बार भाजपा ने लोकसभा का टिकट भी नहीं दिया था। इसके अलावा कुछ नेता ऐसे भी हैं, जिन्हें टिकट भी मिला और वह चुनाव भी जीते, लेकिन कैबिनेट से उन्हें दूर रखा गया है।

मप्र से ये बने मंत्री

मोदी मंत्रिमंडल में मप्र से 5 चेहरे शिवराज सिंह चौहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, डॉ. वीरेन्द्र कुमार खटीक, सावित्री ठाकुर और दुर्गादास उईके ने मंत्री पद की शपथ ली। विदिशा सीट से सांसद चुने गए शिवराज सिंह चौहान पहली बार केंद्रीय मंत्री बनेंगे। वहीं ज्योतिरादित्य सिंधिया और डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में मंत्री थे।

उन्हें इस बार फिर मौका मिलने जा रहा हैं। वहीं बैतूल से सांसद दुर्गादास उईके और धार से सांसद सावित्री ठाकुर पहली बार केंद्र में मंत्री बने हैं। इन 5 चेहरों में दो ओबीसी, दो एसटी और एक एससी वर्ग से आते हैं। इन 5 चेहरों से पूरे मध्यप्रदेश को कवर करने की कोशिश की गई है। शिवराज सिंह चौहान (मध्य भारत), ज्योतिरादित्य सिंधिया (ग्वालियर-चंबल), डॉ. वीरेंद्र कुमार खटीक (बुंदेलखंड), सावित्री ठाकुर (मालवा-निमाड़) और दुर्गादास उईके (नर्मदा पट्टी) से आते हैं।

100 दिन के रोडमैप पर चर्चा

शपथ ग्रहण समारोह से पहले रविवार को चाय पर भाजपा नेताओं से मुलाकात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संभावित मंत्रियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि वे शासन पर ध्यान दें और 100 दिन के रोडमैप को जमीन पर उतारें। उन्होंने कहा कि सभी लोग परियोजनाओं को समय पर पूरा करें। बता दें, कैबिनेट गठन से पहले पीएम मोदी हर बार चाय पर भाजपा नेताओं से मुलाकात करते हैं। साल 2014 में भी ऐसी ही बैठक आयोजित हुई थी। अब नरेंद्र मोदी ने संभावित मंत्रियों से कहा कि आप सभी सरकार पर ध्यान दें और सुनिश्चित करें कि परियोजनाएं समय पर पूरी हों।

- ये बने मंत्री

05कैबिनेट मंत्री

01- राजनाथ सिंह
02-अमित शाह
03-नितिन गडकरी
04-जेपी नड्डा
05-शिवराज सिंह चौहान
06-निर्मला सीतारमण
07-एस जयशंकर
08-मनोहर लाल खट्टर
09-एचडी कुमारस्वामी (जेडीएस)
10-पीयूष गोयल
11-धर्मेंद्र प्रधान
12-जीतनराम मांझी (हम)
13-ललन सिंह (जेडीयू)
14-सर्बानंद सोनोवाल
15-डॉ. विरेंद्र कुमार
16-राम मोहन नायडू (टीडीपी)
17-प्रल्हाद जोशी
18-जुएल ओरोम
19-गिरिराज सिंह
20-अश्विनी वैष्णव
21-ज्योतिरादित्य सिंधिया
22-भूपेंद्र यादव
23-अन्नपूर्णा देवी
24-गजेंद्र सिंह शेखावत
25-किरण रिजिजू
26-हरदीप सिंह पुरी
27-मनसुख मांडविया
28 -जी किशन रेड्डी
29-चिराग पासवान एलजेपी (आर)
30-सी आर पाटिल

-राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार)

01-इंद्रजीत सिंह
02-जीतेंद्र सिंह
03-अर्जुन राम मेघवाल
04-प्रतापराव गणपत राजव जाधव, महाराष्ट्र
05- जयंत चौधरी, रालोद
06-राज्य मंत्री
07-जितिन प्रसाद
08-श्रीपद यसो नाइक
09-पंकज चौधरी
10-कृष्ण पाल गुर्जर
11-रामदास अठावले
12-रामनाथ ठाकुर
13-नित्यानंद राय
14-अनुप्रिया पटेल
15-वी सोमन्ना
16-चद्रशेखर पेमासानी, टीडीपी
प्रो. एसपी सिंह बघेल
17-शोभा करंदलाजे
18-कीर्तिवर्धन सिंह
19-बनवारी लाल वर्मा
20-शांतनु ठाकुर
21-सुरेश गोपी
22-एल. मुरूगन
23-अजय टम्टा
24-बंडी संजय कुमार
25-कमलेश पासवान
26-भागीरथ चौधरी
27-सतीश चंद्र दुबे
28-संजय सेठ
29-रवनीत सिंह बिट्टू
30-दुर्गा दास उइके
31-रक्षा खडसे
32-सुकांता मजूमदार
33-सावित्री ठाकुर
34-तोखन साहू
35-राजभूषण चौधरी
36-भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा
37-हर्ष मल्होत्रा
38-निमुबेन बंभानिया
39-मुरलीधर मोहोल
40-जॉर्ज कूरियन
41-पवित्र मार्गरेटा

श्रीनगर में श्रद्धालुओं को ले जा रही बस पर हमला,10 की मौत, कई घायल

श्रीनगर (ईएमएस) । जम्मू-कश्मीर के रियासी में आतंकियों ने श्रद्धालुओं को ले जा रही बस पर हमला किया है। इसमें 10 लोगों के मारे जाने की खबर है, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। नई दिल्ली में पीएम मोदी और नई कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान ये टेररिस्ट अटैक हुआ है।

यह हमला रियासी जिले के कंदा इलाके में हुआ। आतंकियों ने बस पर ओपन फायर किया, जिसमें ड्राइवर घायल हुआ और उसका बस से कंट्रोल खो गया। इसके चलते बस खाई में गिर गई। 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ लोग गोली लगने से घायल हुए हैं। बस में सवार अन्य यात्रियों का रेस्क्यू जारी है। बस श्रद्धालुओं को लेकर कटरा से शिव खोड़ी मंदिर जा रही थी। शिव खोड़ी मंदिर माता वैष्णो देवी का बेस कैंप है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 4 मई एयरफोर्स के जवानों पर हुए आतंकी हमले में एक जवान शहीद हो गया था।दरअसल, हमले में पांच जवान घायल हुए थे, जिन्हें एयरलिफ्ट कर उधमपुर के अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान एक जवान की मौत हो गई। यह हमला पुंछ के शाहसितार इलाके में हुआ। आतंकियों ने सुरक्षाबलों के दो वाहनों पर भारी फायरिंग की। इसमें से एक वाहन एयरफोर्स का था। दोनों गाड़ियां सनाई टॉप जा रही थीं। आतंकियों की गोलियां वाहन के सामने और साइड वाले शीशे को पार कर गईं

मौके पर एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि सेना की तरह के कपड़े पहने एक आतंकी ने अचानक बस के आगे आकर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। चालक को गोली लगते ही चालक ने संतुलन खो दिया और बस गहरी खाई में जा गिरा। चारों ओर चीख पुकार मची रही। कुछ घायलों को निकालकर अस्पताल में पहुंचाया गया।

जम्मू संभाग में पिछले कुछ वर्षों से आतंकी घटनाएं बढ़ी हैं। राजोरी-पुंछ में सेना पर कई हमले किए गए। इससे पहले 13 मई 2022 को भी कटरा से लौट रही श्रद्धालुओं से भरी बस में स्टिकी बम लगाकर हमला किया गया था। बस में आग लगने से तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी जबकि 24 घायल हुए थे।

राजनाथ सिंह ने जताया शोक

राजनाथ सिंह ने हमले पर दुख जाते हुए एक्स पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के रियासी में तीर्थयात्रियों को ले जा रही बस पर हुआ हमला बेहद निंदनीय है। तीर्थयात्रियों के खिलाफ इस जघन्य कृत्य में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी संवेदना है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी प्रार्थना करता हूं।

लोकसभा को 10 साल बाद मिलेगा नेता प्रतिपक्ष - विपक्ष को उपाध्यक्ष पद के चुनाव की उम्मीद

नई दिल्ली (ईएमएस)। मौजूदा लोकसभा चुनाव में 'इंडिया गठबंधन के घटक दलों की सीटों की संख्या बढ़ने के साथ ही निचले सदन को 10 साल बाद विपक्ष का नेता (एलओपी) मिलेगा और विपक्षी नेताओं को यह भी उम्मीद है कि जल्द ही उपाध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। लोकसभा में पिछले 5 साल से उपाध्यक्ष का पद रिक्त है। 5 जून को भंग हुई 17वीं लोकसभा को अपने पूरे कार्यकाल के लिए कोई उपाध्यक्ष नहीं मिला तथा यह निचले सदन का लगातार दूसरा कार्यकाल था, जिसमें कोई नेता प्रतिपक्ष नहीं था। सभी की निगाहें निचले सदन पर टिकी हैं, जहां विपक्ष का नेता चुना जाएगा और साथ ही एक उपाध्यक्ष पद चुने जाने की भी उम्मीद है। उपाध्यक्ष का पद आमतौर पर विपक्षी खेमे को मिलता है। 'इंडिया गठबंधन ने संसद के लिए अपनी रणनीति पर अभी तक कोई समन्वय बैठक नहीं की है।

वहीं, एक विपक्षी नेता ने कहा कि वे इस बात के लिए दबाव बनाएंगे कि इस बार उपाध्यक्ष का पद खाली न छोड़ा जाए। तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने कहा, ''भाजपा सरकार को लोगों ने नकार दिया है, उन्होंने पिछले 5 सालों में (लोकसभा) उपाध्यक्ष नहीं चुना... उम्मीद है कि भाजपा ने सबक सीख लिया होगा और इस बार उपाध्यक्ष चुना जाएगा।।17वीं लोकसभा में भाजपा 303 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत में थी और ओम बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुना गया था। पहली बार, पांच साल के कार्यकाल के दौरान कोई उपाध्यक्ष नहीं चुना गया। संविधान के अनुच्छेद 93 के अनुसार, लोकसभा को जल्द से जल्द दो सदस्यों को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनना चाहिए, जब भी पद खाली हो। इसमें कोई विशिष्ट समय सीमा नहीं दी गई है।

लाल चंदन की लकड़ी की तस्करी कर रहा वियतनाम का नागरिक, पकड़ा गया

नई दिल्ली दिल्ली हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ के जवानों ने चंदन की लकड़ी की तस्करी करने एक वियतनाम के नागरिक को पकड़ा है। यात्री के कब्जे से 11.970 किलोग्राम प्रतिबंधित लाल चंदन की लकड़ी बरामद हुई है दिल्ली हवाई अड्डे पर सीआईएसएफ के जवानों ने चंदन की लकड़ी की तस्करी करने वाले एक वियतनाम के नागरिक को पकड़ा है। यात्री के कब्जे से 11.970 किलोग्राम प्रतिबंधित लाल चंदन की लकड़ी बरामद हुई है, जिसकी कीमत 25 लाख रुपये आंकी गई है।

सीकर में लगे भूकंप के झटके लोग घर से बाहर आए, कोई नुकसान नहीं

जयपुर,(ईएमएस)। राजस्थान के सीकर में शनिवार देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। लोग घर हिलता देखर घबरा गए और अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। इसके साथ ही लोगों ने अपने रिश्तेदारों को फोन कर उनका हालचाल जाना।

जानकारी के अनुसार राजस्थान के सीकर में देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिनकी रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 मापी गई है। किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप के झटके शनिवार रात 11.47 बजे महसूस किए गए। इससे पहले राजस्थान के पाली में अप्रैल में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। पिछली बार भी भूकंप के झटके देर रात करीब आए थे। भूकंप की रिक्टर स्केल पर 3.7 तीव्रता मापी गई थी।

भूकंप पहले पृथ्वी की संरचना को समझना होगा। इसके नीचे तरल पदार्थ लावा है और इस पर टैक्टोनिक प्लेट्स तैरती रहती हैं। कई बार ये प्लेट्स आपस में टकरा जाती हैं। बार-बार टकराने से कई बार प्लेट्स के कोने मुड़ जाते हैं और ज्यादा दबाव पड़ने पर ये प्लेट्स टूटने लगती हैं। ऐसे में नीचे से निकली ऊर्जा बाहर की ओर निकलने का रास्ता खोजती है। जब इससे डिस्टर्बेंस बनता है तो इसके बाद भूकंप आता है। भूकंप को रिक्टर स्केल पर मापा जाता है। रिक्टर स्केल भूकंप की तरंगों की तीव्रता मापने का एक गणितीय पैमाना होता है, इसे रिक्टर मैग्नीटयूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को एपीसेंटर से 1 से 9 तक के आधार पर मापा जाता है। ये स्केल भूकंप के दौरान धरती के भीतर से निकली ऊर्जा के आधार पर तीव्रता को मापता है।

नीतीश के पास बेहतर मौका है बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाने का

पटना(ईएमएस)। राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव की बेटी और हाल ही में पाटलिपुत्र से सांसद चुनी गई मीसा भारती ने कहा है कि इस वक्त बिहार के सीएम नीतीश कुमार के पास बहुत ही बेहतर मौका है बिहार को चमकाने का। वो केंद्र की राजनीति में किंग मेकर की भूमिका में हैं। ऐसे में चाहें तो बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाकर राज्य की तस्वीकर और तकदीर दोनों बदल सकते हैं। मीसा भारती ने कहा कि यह पुरानी मांग रही है और डबल इंजन की सरकार है। आज तक प्रधानमंत्री ने यह मांग पूरी नहीं की है, लेकिन ये अच्छा मौका है उन्हें मांग करनी चाहिए। प्रधानमंत्री को बिहार की मांग पूरी करनी चाहिए। मीसा भारती ने कहा कि नीतीश कुमार को मांग करनी चाहिए और बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलवाना चाहिए और बंद चीनी मिलों को खुलवाना चाहिए। नीतीश कुमार का कहना था कि लोकसभा चुनाव के बाद एक लाख नौकरियां देंगे। इस पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार क्या-क्या कहते थे, लेकिन जब हम 17 महीने सरकार में आए तब तेजस्वी ने सभी मांग पूरी की। नीतीश जी इतना सपोर्ट कर रहे हैं तो बिहार को महत्वपूर्ण विभाग भी मिलने चाहिए। जिससे बिहार के विकास में योगदान मिल सके। हम लोग अग्नि वीर के अलावा जिन मुद्दों पर बात करते आए हैं उन्हें संसद में उठाएंगे। पाटलिपुत्र से नवनिर्चित सांसद मीसा भारती ने शनिवार को लैंड फॉर जॉब मामले में चार्जशीट दाखिल होने पर कहा कि ये पुराना मामला है, देखिए वह लोग क्या करते हैं। नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री के ऑफर वाले बयान पर उन्होंने कहा कि यह मेरी जानकारी में नहीं है। मैं उस मीटिंग में नहीं थी। अब इसको केसी त्यागी ही क्लेरिफाई कर सकते हैं कि किस नेता का बयान है। नरेंद्र मोदी रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि नीतीश कुमार किंगमेकर की भूमिका में हैं, तो वह बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलाएंगे।

पटनायक के करीबी वीके पांडियन का सक्रिय राजनीति से संन्यास

- मेरे खिलाफ चलाए गए प्रचार अभियान ने बीजद को हार दिलाई, इसके लिए माफी

भुवनेश्वर(ईएमएस)। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजद चीफ नवीन पटनायक के करीबी और बीजद नेता वीके पांडियन ने एक्टिव पॉलिटिक्स से संन्यास लेने की घोषणा की है। उन्होंने रविवार को वीडियो जारी करते हुए संन्यास का ऐलान किया। वीडियो में उन्होंने कहा कि मैंने खुद को सक्रिय राजनीति से अलग करने का फैसला किया है। अगर मैंने इस यात्रा में किसी को ठेस पहुंचाई है तो मुझे खेद है। यदि मेरे खिलाफ चले अभियान के कारण बीजद की हार हुई है तो मुझे खेद है। ओडिशा में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 78 सीटें जीतकर पांच बार के सीएम पटनायक को सत्ता से बाहर किया है। बीजेडी को केवल 51 सीटें मिली हैं।

पार्टी की हार की वजह पांडियन को बताया जा रहा था। पार्टी में उनके दबदबे की चलते स्थानीय नेता नाराज चल रहे थे। सीनियर लीडर्स भी पांडियन को लेकर खुश नहीं थे। वहीं, पांडियन को पटनायक का उत्तराधिकारी भी कहा जा रहा था। तमिलनाडु में जन्मे वीके पांडियन को भाजपा ओडिशा की राजनीति में बाहरी कहती रही है। पांडियन ने दिल्ली में अपनी पढ़ाई की थी। उन्होंने पंजाब कैडर के आईएएस अधिकारी के तौर पर अपना करियर शुरू किया था। बाद में उड़िया महिला से शादी करने के बाद ओडिशा कैडर में ट्रांसफर ले लिया था।

कोर्ट में बतौर सबूत पेश की जाने वालीं तस्वीरें अपीलकर्ता को प्रमाणित करना होगी

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि 'डीपफेक' के युग में, पति या पत्नी अपने साथी पर व्यभिचार का आरोप लगाते हुए फैमिली कोर्ट को सबूत के तौर पर तस्वीरें दिखाते हैं तो उन्हें इसकी सच्चाई साबित करनी होगी। दरअसल उस शख्स के वकील ने कोर्ट का ध्यान महिला की कुछ तस्वीरों की तरफ दिलाया तो जस्टिस राजीव शकधर और जस्टिस अमित बंसल की बेंच ने कहा, 'यह साफ नहीं है कि तस्वीरों में मौजूद व्यक्ति क्या पत्नी ही है, जैसा कि पति के वकील ने कहा है।' बेच ने कहा, 'हम इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान ले सकते हैं कि हम 'डीपफेक' के युग में रह रहे हैं और इसलिए यह एक ऐसा पहलू है जिसे अपीलकर्ता को फैमिली कोर्ट के सामने सबूत के जरिये साबित करना होगा।'

एक शख्स ने अपनी पत्नी पर एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर का आरोप लगाते हुए तलाक के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। शख्स ने एडल्ट्री यानी व्यभिचार के आरोपों को साबित करने के लिए पत्नी की कुछ कथित तस्वीरें भी दिखाई, लेकिन कोर्ट ने उसकी बात नहीं मानी और उसकी अर्जी खारिज कर दी।

दरअसल फैमिली कोर्ट ने इस शख्स को अपनी अलग रह रही पत्नी और नाबालिग बेटी को हर महीने 75,000 रुपये का गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया था।

फैमिली कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ शख्स ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हालांकि कोर्ट ने उसकी अपील खारिज कर दी। इसके बाद बेंच ने पूछा कि क्या हिंदू विवाह अधिनियम के तहत पत्नी की याचिका पर पति के जवाब में व्यभिचार वाली बात का जिक्र किया गया था? इस पर पति के वकील ने माना कि जवाब में इस पहलू का कोई जिक्र नहीं था। इस पर बेंच ने कहा कि चूंकि पति द्वारा तलाक के लिए दायर याचिका पर फैसला पेंडिंग है, इसलिए अगर इस मुद्दे पर जोर दिया जाता है, तो अदालत पक्षकारों को अपने-अपने मामलों के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर दे सकती है। पति के वकील ने दावा किया कि इस पहलू को फैमिली कोर्ट के सामने उठाया गया था, हालांकि, फैसला सुनाते समय इसे नजरअंदाज कर दिया गया। कोर्ट ने कहा, 'यदि यह स्थिति थी, तो अपीलकर्ता/पति के लिए सबसे अच्छा तरीका पारिवारिक अदालत के समक्ष समीक्षा के लिए आवेदन करना है। हालांकि, पति द्वारा ऐसा कोई कदम नहीं उठाया गया है।

जेईई एडवांस्ड रिजल्ट घोषित, दिल्ली जोन के लाहोटी ने मारी बाजी

- 360 में से 355 अंक लाकर आईआईटी एंट्रेंस परीक्षा में किया टॉप

नई दिल्ली ,(ईएमएस)। जेईई एडवांस्ड रिजल्ट रविवार को जारी कर दिया गया है। आईआईटी में दाखिला के लिए हुई प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस्ड का रिजल्ट व स्कोर कार्ड परीक्षार्थी वेबसाई पर जाकर देख सकते हैं। आईआईटी दिल्ली जोन के वेद लाहोटी ने 360 में से 355 अंक लाकर आईआईटी एंट्रेंस परीक्षा में टॉप किया है। वहीं लड़कियों में आईआईटी बॉम्बे जोन की द्विजा धर्मेशकुमार पटेल ने 360 में से 332 अंक लाकर टॉप किया है। जेईई एडवांस्ड 2024 में पेपर 1 और 2 दोनों में कुल 1,80,200 उम्मीदवार शामिल हुए थे। इनमें से 48,248 उम्मीदवार पास हुए। पास उम्मीदवारों में से 7,964 लड़कियां हैं। आईआईटी मद्रास ने जेईई एडवांस्ड रिजल्ट के साथ-साथ फाइनल आंसर-की भी जारी की है। जेईई एडवांस प्रवेश परीक्षा 2024 से ही आईआईटी के इंजीनियरिंग, साइंस एंड आर्किटेक्ट कोर्स में स्नातक, इंटीग्रेटेड परास्नातक, स्नातक-मास्टर डुअल डिग्री में दाखिला मिलता है।

23 आईआईटी में करीब 17385 सीटें हैं। आज जेईई एडवांस्ड परिणाम के साथ-साथ इसके टॉपर्स, उनके मार्क्स, कटऑफ की डिटेल्स भी घोषित की जाएगी। पिछले साल की जेईई एडवांस्ड की कटऑफ कॉमन रैंक लिस्ट (सीआरएल) के लिए हरेक विषय के कुल अंकों का 6.83 फीसदी और एग्रीगेट में 23.89 फीसदी मार्क्स परीक्षा में क्वालिफाइ करने के लिए मिनिमम कटऑफ मार्क्स थे। आज जेईई एडवांस्ड का रिजल्ट आने के बाद कल यानी 10 जून से जोसा काउंसलिंग शुरू हो जाएगी। जेईई एडवांस्ड क्वालिफाई करने वालों को जोसा काउंसलिंग के जरिए ही देश के 23 आईआईटी इंस्टीटयूट्स में एडमिशन मिलेगा।

देश के प्रतिष्ठित संस्थान आईआईटी, एनआईटी, ट्रिपल आईटी में दाखिले के लिए ज्वाइंट सीट एलोकेशन अथॉरिटी (जोसा) काउंसलिंग का शेडयूल जारी कर चुका है। जेईई मेन और जेईई एडवांस्ड पास करने वाले अभ्यर्थी जोसा काउंसलिंग में हिस्सा ले सकेंगे। जोसा काउंसलिंग से अभ्यर्थी एनआईटी, आईआईटी, आईआईईएसटी, आईआईआईटी और अन्य जीएफटीआई तकनीकी संस्थानों में बीटेक और अन्य कोर्सेज में एडमिशन के लिए आवेदन कर सकेंगे। जोसा काउंसलिंग में इस बार पांच राउंड होंगे। स्टूडेंट्स को उनकी रैंक और चॉइस के आधार पर संस्थान व सीट अलॉट की जाएगी।

मालवाहक जहाज पर हूती विद्रोहियों ने दागी मिसाइल, जानमाल का नुकसान नहीं

नई दिल्ली ,(ईएमएस)। अदन की खाड़ी में एंटीगुआ और बारबुडा के झंडे वाले एक मालवाहक जहाज पर संदिग्ध रूप से यमन के हूती विद्रोहियों ने मिसाइल से रविवार को हमला कर दिया। मिसाइल जहाज के अगले हिस्से पर गिरी जिससे उसमें आग लग गई लेकिन जहाज में सवार लोगों ने आग पर काबू पा लिया।

मीडिया रिपोर्टस के मुताबिक हूती विद्रोहियों ने मालवाहक जहाज पर एक और मिसाइल दागी गई लेकिन यह जहाज पर नहीं गिरी। इसके बाद आस-पास छोटी नौकाओं पर सवार लोगों ने पोत पर गोलीबारी की। उसने बताया कि हमले में कोई हताहत नहीं हुआ है। ब्रिटेन की सेना के 'यूनाइटेड किंगडम समुद्री व्यापार परिचालन केंद्र' ने भी शनिवार देर रात अदन के समीप उसी क्षेत्र में हमले की सूचना दी, लेकिन इसके बारे में विस्तार से कोई जानकारी नहीं दी। हूती विद्रोहियों ने करीब एक दशक पहले यमन की राजधानी पर कब्जा कर लिया था और इसके बाद से ही वह सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन से लड़ रहा है।

कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी को बताया डिस्ट्रक्टिव एलाएंस

-जयराम रमेश बोले-एक तिहाई प्रधानमंत्री, जिनके पास अब कोई वैधता नहीं

नई दिल्ली ,(ईएमएस)। आज प्रधानमंत्री पद के लिए नरेन्द्र मोदी शपथ ग्रहण ले रहे हैं उनके शपथ ग्रहण से पहले रविवार को कांग्रेस ने नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि आज शाम वह नरेन्द्र मोदी एनडीए के नेता के तौर पर शपथ लेंगे। हालांकि वह सभी वैधता खो चुके हैं। कांग्रेस ने बीजेपी नीत एनडीए पर 'नरेन्द्र डिस्ट्रक्टिव एलाएंस नाम गढ़ा है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि 28 मई 2023 का वो दिन याद है? जब नरेन्द्र मोदी सेनगोल के साथ नए संसद भवन में आए थे और जिसके लिए 15 अगस्त 1947 का एक अलग इतिहास गढ़ा गया था।

दरअसल वह सबकुछ न केवल मोदी के सम्राट होने के दावे को सही ठहराने के लिए था बल्कि तमिल मतदाताओं से अपील करने के लिए हुआ था। उन्होंने कहा कि उसी दिन मैंने अभिलेखों का इस्तेमाल करके मोदी के फर्जीवाड़े का पर्दाफाश किया था। रमेश ने कहा कि हम उस ड्रामे का नतीजा जानते हैं। सेनगोल तो तमिल इतिहास का एक सम्मानजनक प्रतीक था, है और बना रहेगा, लेकिन तमिल मतदाताओं या कहें कि भारत के मतदाताओं ने मोदी के दावों को ख़ारिज़ कर दिया है।

रमेश ने दावा किया कि मोदी को बहुत बड़ी व्यक्तिगत, राजनीतिक और नैतिक हार मिली है। मोदी को उस संविधान के सामने झुकने के लिए मजबूर किया गया है जिसे उन्होंने पिछले दशक में नष्ट किया है। उन्होंने कहा कि पूरी तरह से कमज़ोर एक तिहाई प्रधानमंत्री, जिनके पास अब कोई वैधता नहीं है, किसी तरह आज शाम नरेन्द्र डिस्ट्रक्टिव एलायंस (एनडीए) के नेता के रूप में शपथ लेने में कामयाब हो जाएंगे। लोकसभा चुनावों में बीजेपी को बहुमत नहीं मिला लेकिन बीजेपी नीत एनडीस ने 543 में से 293 सीटें हासिल की हैं। कांग्रेस को 99 सीटें मिलीं। निचले सदन में बहुमत का आंकड़ा 272 है। मोदी ने आज सुबह राजघाट जाकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस पर रमेश ने एक्स पर फिर मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आप ट्रैक रिकॉर्ड देखिए उनके वैचारिक सहयोगियों ने शत्रुता और घृणा का ऐसा विषाक्त वातावरण बनाया जिसके परिणामस्वरूप 30 जून 1948 को महात्मा गांधी की हत्या कर दी गई थी।

रमेश ने कहा कि वे अपने उन साथियों को कभी नहीं टोकते जो गोडसे को एक नायक की तरह पेश करते हैं। उन्होंने संसद भवन में महात्मा गांधी की प्रतिमा को एक बार नही

जन हितैषी

पैर पर कुल्हाड़ी मारने वाला भरोसा

कहते हैं दो लोगों के रिश्ते तभी तक चलते हैं, जब तक कि दोनों के दरमियां एक भरोसा कायम है। जहां किसी एक का भी भरोसा टूटा, रिश्ता लंगड़ा-लूला, गूंगा-बहरा यानी कि अपंगता को प्राप्त हो जाता है। ऐसा रिश्ता बहुत दिनों तक ढोया नहीं जा सकता। इसलिए वक्त से पहले दरारों को भरने और किसी प्रकार का कोई भ्रम पैदा न हो, इसकी कोशिशें भी करते रहने की सलाह दी जाती है। बहरहाल यहां बात हम पारिवारिक पति-पत्नी वाले रिश्तों की नहीं कर रहे बल्कि दो देशों के बीच बनने वाले प्रगाढ़ रिश्तों की कर रहे हैं। याद दिलाते चलें कि जिस पड़ोसी की बात हम करने जा रहे हैं, उससे हमारे रिश्ते पहले कभी भाई-भाई के रहे हैं। जब भरोसा परवान चढ़ा और तत्कालीन सरकार ने हर तरह के रास्ते खोलने और करीबी रिश्तों में आने की बात कही तो सीमा पार से उसी ने एक बड़ा धोखा दिया और हिंदी-चीनी भाई-भाई वाले रिश्ते पलभर में ही जमींदोज हो गए। आज वही चीन एक बार फिर अपना असली चेहरा दिखाने को तैयार दिख रहा है। दरअसल इस दुनियां की जन्नत कहे जाने वाले हमारे जम्म-कश्मीर को लेकर चीन ने पाकिस्तानी राग के साथ अपना बेसुरा राग मिलाने जैसा काम कर दिखाया है। अब पाकिस्तानी-चीनी भाई-भाई के नारे बुलंद करते ये दोनों ही मुल्क भारत के खिलाफ जहर उगलने का काम कर रहे हैं। पाक और चीन ने शनिवार को ही संयुक्त बयान में दक्षिण एशिया में कश्मीर सहित सभी लंबित मुद्दों के समाधान के लिए किसी भी एकतरफा कार्रवाई का विरोध करने का एहद किया है। यहां समझ लें कि पाकिस्तान के लिए ऐसा इसलिए भी जरुरी है क्योंकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चीन यात्रा पर हैं। ऐसे में यदि पीएम शहबाज कश्मीर की बात नहीं करते तो वो अपने आकाओं और रणनीतिकारों के सामने कौन सा मुंह लेकर जाते और ऐसे में तो वो जवाबदेह बन जाते। उनकी मजबूरी तो समझ में आती है, लेकिन चीन और उनके रणनीतिकारों को क्या हो गया है, जो भारत के खिलाफ इस कदर जहर उगलने को बाध्य हो रहे हैं। चीन तो पाकिस्तान की तरह राजनीतिक और आर्थिक संकट के दौर से तो नहीं गुजर रहा है। उसे तो सच बोलना चाहिए और सच का ही साथ देना चाहिए, लेकिन वह ऐसा जानबूझ कर करता है, ताकि बेमतलब दबाव बनाया जा सके और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत को दबाने और अपनी मर्जी से कुछ और गलत कार्यों को करने का रास्ता बना सके।

गौरतलब है कि दोबारा प्रधानमंत्री बनने के बाद शहबाज शरीफ अपनी चार दिवसीय चीन यात्रा पर थे, जो कि अब समाप्त हो चुकी है, लेकिन इस दौरान वो अपने मकसद को पाने में सफल रहे हैं। दरअसल इस यात्रा से चीनी निवेश और सहायता को बढ़ाने का मकसद तो था सो था लेकिन उन्हें यह भी दिखलाना था कि चीन उनके साथ हर स्थिति में खड़ा हुआ है। एक तरफ पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है तो दूसरी तरफ आतंकवादी गतिविधियों के चलते सुरक्षा दृष्टि से भी गंभीर संकट देश में उत्पन्न हो गया है। अनेक चीनी अधिकारी पाकिस्तान में निर्माण कार्य करते हुए मारे जा चुके हैं, जिसका जवाब पाकिस्तान सरकार को देते नहीं बना है। अतः लीपापोती करते हुए कार्य को आगे बढ़ाने और अधिक से अधिक आर्थिक सहायता प्राप्त करने चीन पहुंचे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने लगे हाथ कश्मीर का मसला उठाकर अपने आकाओं को भी खुश करने जैसा काम कर दिखाया है। गौर करने वाली बात तो यह भी है कि एक तरफ भारत जैसे बड़े बाजार को चीन खोना नहीं चाहता और दूसरी तरफ वह यह भी नहीं चाहता है कि भारत के रिश्ते किसी और देश से बेहतर हों। ऐसे में वह आतंकवाद को प्रश्रय देने वाले देशों को आर्थिक मदद पहुंचा कर भारत के खिलाफ एक षडयंत्र रचने का काम करता है तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। यह संभवतः उसकी नीति और नीयत में विद्यमान है। इसलिए लगातार यह कहा जाता रहा है कि भारत अपनी विदेश नीति के तहत दूसरे देशों से संबंध बनाए। सच्चे दोस्तों से बराबर मेल-जोल रखे और नए रिश्ते बनाने या व्यापार शुरु करने से पहले यह जान ले कि ऐसा करने से हमारे पुराने दोस्तों को किसी तरह का कोई आघात तो नहीं लगने वाला है। पिछले कुछ सालों में ऐसा देखने को मिला है कि व्यापार के नाम पर हमने अपने शुभचिंतक मित्र देशों से दूरी बना ली है, जिस कारण अब वो देश सिर उठाने लगे हैं जो पहले कभी हमारी तरफ दीन-हीन भावना के साथ कातर नजरों से देखते रहे हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम किसी गुट के हिस्सेदार नहीं हैं। हम तटस्थ रहते हुए भी विश्व शांति और समृद्धि के लिए बेहतर कार्य कर रहे थे और आगे भी करते रह सकते हैं।

रेखांकित करने वाली बात तो यह भी है कि हमारे देश की सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः। नीति और आचरण के कारण ही पाकिस्तान जैसे देश की आवाम भी हमारे साथ बेहतर संबंध बनाने की सदा से हिमायती रही है। यह अलग बात है कि पाकिस्तान के कट्टर रणनीतिकार और लोकतंत्र पर सदा हावी रहने वाली सेना कभी नहीं चाहेगी कि भारत से उनके देश के संबंध बेहतर हों। इसलिए पाकिस्तान के नेता पूरी दुनियां में घूम-घूम कर भारत के खिलाफ जहर उगलने का काम करते हैं। बावजूद इसके चीन नासमझ बनते हुए पाकिस्तान के राग में अपना राग मिलाता है तो यह भारत के लिए सोचने की बात है कि वह उसके साथ भी कैसा व्यवहार करे, ताकि वह भी कहीं और कुछ बोलने के लायक ही न रहे। दरअसल पाकिस्तान और चीन ने एक संयुक्त वक्तव्य जारी किया है, जिसे हमारा देश पूरी तरह खारिज करता है। इस बयान में कहा गया है कि चीन और पाकिस्तान दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व, सभी लंबित विवादों के समाधान की आवश्यकता तथा किसी भी एकतरफा कार्रवाई के विरोध को रेखांकित करते हैं। इसके साथ ही कहा गया है कि पाकिस्तानी पक्ष ने चीनी पक्ष को जम्मू-कश्मीर की स्थिति के नवीनतम घटनाक्रमों से अवगत कराया है। चीनी पक्ष ने दोहराया है कि जम्मू-कश्मीर विवाद इतिहास से उपजा है और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर, प्रासंगिक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार उचित और शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाना चाहिए। इस तरह से चीन ने संयुक्त बयान के जरिए कश्मीर मसले को खड़ा कर उसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हवा देने का काम किया है, जिसकी कड़े शब्दों में निंदा होनी चाहिए। अंततः चीन किसी का सगा नहीं हो सकता, यह बात भारत बहुत पहले जान चुका है और अब पाकिस्तान को समझ में आने वाला है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह के घटनाक्रम घटित हो रहे हैं, उससे चीन कभी भी पलटी मार कर पाकिस्तान को भी लपेटे में ले सकता है, क्योंकि तब उसके लिए अफगानिस्तान ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाएगा, जिसे वह नजरअंदाज किए बैठा है।

पंडित जी को पछियाते मोदी जी

भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के पदचिन्हों पर न चलते हुए भी नरेंद्र दामोदर दास मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बन गए हैं। भारत के प्रधानमंत्री के रूप में मै माननीय नरेंद्र दामोदरदास मोदी जी का स्वागत करता हूँ,वंदन ,अभिनदं करता हूँ। वे उन सबके भी प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने उन्हें अपने मताधिकार के जरिये ख़ारिज किया। कुल मिलाकर वे भारत के प्रधानमंत्री हैं ,लेकिन उनके समर्थक ,अंधभक्त मोदी जी की तुलना जब पंडित जवाहर लाल नेहरू से करते हैं तो हंसी भी आती है और दया भी। क्योंकि दोनों के चाल ,चरित्र और चेहरे में कोई मेल है ही नहीं।

दरअसल नरेंद्र मोदी जी और उनका परिवार पंडित जवाहर लाल नेहरू से जबरदस्त घृणा करता है ,बावजूद वो मोदी जी को उनके बराबर खड़ा भी करना चाहता है। काल्पनिक आंकड़ों के जरिये,किस्सों-कहानीयों के जरिये। नेहरू जी कश्मीरी पंडित थे और मोदी जी गुजराती पिछड़े वर्ग से आते हैं। नेहरू जी ,मोदी जी से 61 साल पहले जन्मे थे । उनके पिता पंडित मोतीलाल नेहरू धनी बैरिस्टर थे,मोदी जी के पिता गरीब चाय वाले।ड.चायवाला होना कोई बुरी बात नहीं है।

बात तो ये है कि मै नेहरू और मोदी की तुलना करना ही नहीं चाहता ,क्योंकि दोनों में कोई बराबरी ,साम्य है ही नहीं ,लेकिन अंधभक्तों को हकीकत से रुबरू करने के लिए मुझे ये कृत्य करना पड रहा है । ये कुकृत्य है या सुकृत्य ये पाठक खुद तय करेंगे। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने दुनिया के कुछ बेहतरीन स्कूलों और विश्वविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त की थी। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा हैरो से और कॉलेज की शिक्षा ट्रिनिटी कॉलेज, कैम्ब्रिज (लंदन) से पूरी की थी। इसके बाद उन्होंने अपनी लॉ की डिग्री कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से पूरी की। इंग्लैंड में उन्होंने सात साल व्यतीत किए जिसमें वहां के फैबियन समाजवाद और आयरिश राष्ट्रवाद के लिए एक तर्कसंगत दृष्टिकोण विकसित किया। जवाहरलाल नेहरू 1912 में भारत लौटे और वकालत शुरू की।

अब मोदी जी के बारे में जान लीजिये। बकौल गूगल जी माननीय मोदी जी आठ वर्ष की आयु में वे आरएसएस से जुड़े, जिसके साथ एक लम्बे समय तक सम्बन्धित रहे। स्नातक होने के बाद उन्होंने अपना घर छोड़ दिया।उन्होंने स्नातक कहाँ से किया ये केवल सुप्रीम कोर्ट जानता है देश नहीं। मोदी ने दो साल तक भारत भर में यात्रा की, और अनेकों धार्मिक केन्द्रों का दौरा किया। 1969 या 1970 वे गुजरात लौटे उसके बाद अहमदाबाद चले गए। 1971 में वह आरएसएस के लिए पूर्णकालिक कार्यकर्ता बन गए।मोदी जी लिखते-पढ़ते नहीं है। वे जब-जब फुरसत में होते हैं योग-ध्यान करते है।

आइये फिर नेहरू के बारे में जान लेते हैं।1916 में उनकी शादी कमला नेहरू से हुई।और वे ताउम्र उनकी जीवन संगिनी बनी रहीं 1917 में जवाहर लाल नेहरू होम रुल लीग? में शामिल हो गए। राजनीति में उनकी असली दीक्षा दो साल बाद 1919 में हुई जब वे महात्मा गांधी के संपर्क में आए। उस समय महात्मा गांधी ने रॉलेट अधिनियम के खिलाफ एक अभियान शुरू किया था। नेहरू, महात्मा गांधी के सक्रिय लेकिन शांतिपूर्ण, सविनय अवज्ञा आंदोलन के प्रति खासे आकर्षित हुए।नेहरू ने महात्मा गांधी के उपदेशों के अनुसार अपने परिवार को भी ढाल लिया। जवाहरलाल और मोतीलाल नेहरू ने पश्चिमी कपड़ों और महंगी संपत्ति का त्याग कर दिया। वे अब एक खादी कुर्ता और गांधी टोपी पहनने लगे। जवाहर लाल नेहरू ने 1920-1922 में असहयोग आंदोलन में सक्रिय हिस्सा लिया और इस दौरान पहली बार गिरफ्तार किए गए। कुछ महीनों के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया।

नेहरू के मुकाबले खड़े किये जा रहे मोदी जी कभी जेल नहीं गए। 1975 में देश भर में आपातकाल की स्थिति के समय उन्हें कुछ समय के लिए अज्ञातवास जरूर करना पड़ा। 1985 में वे भाजपा से जुड़े और 2001 तक पार्टी पदानुक्रम के भीतर कई पदों पर कार्य किया, जहाँ से वे धीरे धीरे भाजपा में सचिव के पद पर पहुँचे गए।जबकि पंडित जवाहर लाल नेहरू 1924 में इलाहाबाद नगर निगम के अध्यक्ष चुने गए और उन्होंने शहर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में दो वर्ष तक सेवा की। 1926में उन्होंने ब्रिटिश अधिकारियों से सहयोग की कमी का हवाला देकर त्यागपत्र दे दिया।1926 से 1928 तक, जवाहर लाल नेहरू ने अखिल भारतीय कांग्रेस समिति के महासचिव के रूप में सेवा की। 1928 -1929 में, कांग्रेस के वार्षिक सत्र का आयोजन मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में किया गया। नेहरू को कभी ऊपर से प्रक्षेपित नहीं किया गया । वे लड़ते-जूझते आगे बढे । कुल 13 साल जेलों में रहे,एक दर्जन किताबें उन्होंने लिखीं ।

लेकिन माननीय मोदी जी और नेहरू में एक भिन्नता ये है की मोदी जी की शादी हुई लेकिन वे उसका निर्वाह नहीं कर पाए । उनकी पत्नी आज भी गुजरात में अकेले गुजर-बसर कर रहीं हैं। दुसरे मोदी जी को हमेशा पैराशूट से राजनीति में उतारा गया।पहली बार उनका पैराशूट गुजरात में ही उतरा । गुजरात भूकम्प के बाद गुजरात के तत्कालीन मुख्यमन्त्री केशुभाई पटेल के असफल स्वास्थ्य और खराब सार्वजनिक छवि के कारण श्री नरेंद्र मोदी को 2001 में गुजरात के मुख्यमन्त्री पद पर नियुक्त किया गया। वे 12 साल गुजरात के मुख्यमंत्री रहे लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी भी उन्हें राजधर्म नहीं सिखा पाए । उनके कार्यकाल में गुजरात में भीषण दंगे भी हुए। वे दूसरी बार वे 2014 में पैराशूट से देश के प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी के रूप में अपने तमाम रिश्तों को धकियाते हुए उतारे गए।

बीच का तमाम मुकाबला छोड़ते हुए अब मै सीधे नेहरू और मोदी के तीसरे चुनाव पर आता हू। नेहरू ने तीसरा चुनाव 1962 में लड़ा। उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने 361 सीटें जीतीं जो 1957 के चुनाव में जीती गयीं सीटों के मुकाबले 10 कम थीं । नेहरू जी की कांग्रेस को मिले मतों का प्रतिशत 44 से अधिक था यानि उनके मतों में कुल जमा 3 फीसदीक़ी गिरावट आयी थी। अब मोदी जी का तीसरा चुनाव देख लीजिये । मोदी जी ने अपना तीसरा चुनाव 2024 में लड़ा। उनके नेतृत्व में भाजपा को सीटें मिलीं 240 जबकि 2019 में भाजपा को सीटें मिलीं थी 303 और मत प्रतिशत था 37।यानि मोदी जी ने सीटें भी खोईं और मत प्रतिशत भी गंवाया। लेकिन फिर भी वे अपनी पार्टी के सिरमौर हैं

यानि नेहरू जी को पछियाने वाले मोदी जी हर दृष्टि से नेहरू के पासंग नहीं है। फिर भी मोदी जी विश्वगुरु हैं। देश के मोदी भक्तों को जानना चाहिए की नेहरू ने अपने राजनितिक जीवनमें सरकार चलने के लिए कभी किसी बैशाखी का सहारा नहीं लिया। कभी अदावत की राजनीती नहीं की । कभी विपक्ष को शत्रु नहीं समझा। नेहरू जी की उपलब्धियां मोदी जी की तमाम उपलब्धियों का पासंग भी नहीं हैं मोदी जी महान हैं क्योंकि वे महान है। पिछले दस साल में मोदी जी ने भारत की राजनीति में जितने उपद्रव किये हैं वे किसी से छिपे नहीं हैं। लेकिन भारत की महान जनता ने उन्हें उनके किसी गुनाह के लिए चौराहे पर लाकर शर्मसार नहीं किया। नेहरू के जीवन में गांधी थे ,मोदी के जीवन में माधव सदाशिव गोलवलकर। मोदी जी ने तो गाँधी के बारे में रिचर्ड की फिल्म गांधी देखने के बाद जाना।

बहरहाल मोदी जी हमेशा मोदी जी ही रहेंगे और नेहरू जी हमेशा नेहरू जी ही रहने वाले हैं। भारत की राजनीति में नेहरू आज भी बच्चों के चाचा हैं और मोदी जी क्या हैं ये अभी तक तय नहीं हुआ । भगवान करें कि मोदी जी अपना तीसरा कार्यकाल सफलता के साथ पूरा करें। मोदी जी के तीसरे कार्यकाल में उनके पास बैशाखियाँ भी हैं और राहु-केतु भी । मोदी जी के सामने पहली बार सबल विपक्ष भी है और वो कांग्रेस भी जिसे वे नेस्तनाबूद करना चाहते हैं किन्तु कर नहीं पा रहे हैं। ईश्वर उन्हें शक्ति दे। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

क्या दुनिया ने गाँधी को एटनबरो की फिल्म से जाना?

एबीपी को 29 मई 2024 को दिए अपने एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, ''क्या पिछले 75 सालों में हमारी यह जिम्मेदारी नहीं थी कि हम सारी दुनिया को महात्मा गांधी से परिचित करवाते? माफ कीजिये, मगर गांधीजी को कोई नहीं जानता था जब तक कि 1982 में उन पर बनी फिल्म रिलीज नहीं हुई थी। वे जब यह कह रहे थे तब उनका साक्षात्कार ले रहे एबीपी के प्रतिनिधियों के चेहरे भावशून्य थे। उन्होंने प्रधानमंत्री के इस सफेद झूठ पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की। इस अत्यंत लंबे चुनाव अभियान के अंतिम दौर में यह वक्तव्य दिए जाने के पीछे के उद्धेश्य का अनुमान लगाना कठिन नहीं है।

बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की दुर्दशा, पेपर लीक, अग्निवीर योजना जैसे मुद्दों को लेकर उनके दस साल के शासनकाल की आलोचना बढ़ती जा रही थी। इन महत्वपूर्ण मुद्दों से लोगों का ध्यान कैसे हटाया जाए, यह उनकी चिंता का मुख्य विषय था। महात्मा गांधी को लेकर इस तरह की बात कहने का उद्धेश्य लोगों का ध्यान इन महत्वपूर्ण मुद्दों से हटाने के साथ-साथ यह भी था कि नेहरू और पहले की कांग्रेस सरकारों को दुनिया को गांधीजी के बारे में न बताने के लिए कटघरे में खड़ा किया जा सके।

लेकिन इससे नेहरू और अन्य कांग्रेस सरकारें तो कटघरे में नहीं खड़ी होतीं, उल्टे गांधीजी के जीवन और उनके कार्यों, दुनिया में उनकी प्रतिष्ठा और उनके दुनिया के कई महान लोगों के प्रेरणास्त्रोत होने के बारे में मोदी कुछ नहीं जानते। इससे विश्व राजनीति पर 1930 के दशक से ही गांधीजी के असर के बारे में मोदी की अज्ञानता पता लगती है। गांधीजी को दुनिया रिचर्ड एटनबेरो द्वारा लुई फिशर की गांधीजी की जीवनी पर आधारित फिल्म बनाए जाने के बहुत पहले जानती और मानती थी।

दक्षिण अफ्रीका में उनके संघर्ष की वजह से गांधीजी रंगभेद-विरोधी प्रमुख नेता के रूप में उभर चुके थे। गांधीजी के भारत वापिस लौटने और किसानों के चंपारण आंदोलन का नेतृत्व करने के बाद उनके मित्र चार्ली एन्ड्रयूज ने चंपारण सत्याग्रह की अनूठी प्रकृति की बात सारी दुनिया में प्रचारित की। सत्य और अहिंसा पर आधारित उनके सत्याग्रह से कमजोरों और शोषितों की समस्याओं की ओर विश्व का ध्यान आकृष्ट हुआ।

बाद में उनके द्वारा छेड़े गए अन्य आंदोलनों - सविनय अवज्ञा एवं दांडी मार्च - को वैश्विक मीडिया में काफी कवरेज मिला। दुनिया में उनकी पहचान कायम होने से समाज की समस्याओं से साधारण जन को जुड़ने और न्याय के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा मिली। उनके कार्यों की खबरें और कथन बिजली की तेजी से सारी दुनिया में फैल गए। जहां एक ओर भारत में अंग्रेजों का दमन बढ़ता गया वहीं शांति, न्याय एवं अहिंसा जैसे मूल्यों का सम्मान करने वाले लोगों का ध्यान मानवतावाद के सिद्धांतों के सन्दर्भ में वैश्विक स्तर पर गांधीजी के योगदान की ओर गया।

शायद मोदी उस काल में गांधीजी के योगदान और दुनिया में उनके अत्यंत लोकप्रिय होने के बारे में न जानते हों, लेकिन उन्हें यह जरूर जानना चाहिए कि अंग्रेजी समाचार पत्र 'द बर्लिंगटन हॉक आई ने रविवार, 20 सितंबर 1931 के अंक में पूरे एक पृष्ठ में उन पर सामग्री प्रकाशित की थी, जिसमें उन्हें 'विश्व का सर्वाधिक चर्चित व्यक्ति बताया गया था। प्रतिष्ठित अमरीकी पत्रिका 'टाईम ने उनकी तस्वीर अपने मुखपृष्ठ पर प्रकाशित की और उन्हें सन् 1931 का 'मेन ऑफ द ईयर घोषित किया। दो अन्य अवसरों पर उनकी तस्वीर इस प्रसिद्ध पत्रिका के मुखपृष्ठ पर प्रकाशित की गई। इसी तरह टाईम की सहयोगी पत्रिका लाईफ ने भी गांधीजी पर केन्द्रित परिशिष्ट प्रकाशित किया।

दुनिया भर में अपने विचारों और कार्यों के माध्यम से न्याय और शांति के लिए प्रयासरत लोग गांधीजी की ओर आकृष्ट हुए। महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आईंस्टाइन ने 1939 में लिखा मेरा मानना है कि गांधीजी के विचार हमारे दौर के सभी राजनीतिज्ञों में से सबसे अधिक प्रबुद्ध थे। हमें उनकी भावना के अनुसार काम करने का प्रयास करना चाहिए: अपने उद्देश्य के लिए लड़ाई में हिंसा का प्रयोग नहीं करना चाहिए, बल्कि जिस चीज को आप बुरा मानते हैं उसमें भाग नहीं लेना चाहिए। आइंस्टीन ने गांधीजी के बारे में लिखा, आने वाली पीढियां शायद ही यह विश्वास करेंगी किरक्त और मज्जा का बना कोई ऐसा आदमी इस धरती पर रहा होगा।

चार्ली चैपलिन भी गांधीजी के आन्दोलन से प्रेरित थे। वे गांधीजी से मिले और गाँधीजी के मूल्यों का प्रतिबिम्ब चार्ली चैपलिन की फिल्मों मॉडर्न टाइम्स और द ग्रेट डिक्टेटर में दिखाई देता है। द ग्रेट डिक्टेटर में वे गांधीजी और हिटलर के बीच विरोधाभास को दिखाते हैं। इसी तरह फ्रांसीसी नाटककार रोमां रोलां ने यंग इंडिया के फ्रेंच संस्करण में लिखा, अगर ईसा मसीह शांति के राजकुमार थे, तो गाँधी भी इस उपाधि के लिए कोई कम योग्य नहीं हैं।

बीसवीं सदी के दो प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ताओं मार्टिन लूथर किंग और नेल्सन मंडेला गांधीजी के संघर्ष से प्रेरित और प्रभावित थे और उन्होंने अपने संघर्ष के मार्ग का निर्धारण उसी आधार पर किया। सन 1959 में द हिंदुस्तान टाइम्स में प्रकाशित अपने लेख में मार्टिन लूथर किंग ने लिखा, मुझे बहुत शुरू में ही समझ आ गया था कि गाँधी की अहिंसा की शिक्षा और ईसाई धर्म की प्रेम के शिक्षा का संश्लेषण ही नीग्रो लोगों के स्वतंत्रता और मानव गरिमा के लिए संघर्ष के सर्वश्रेष्ठ हथियार है।

नेल्सन मंडेला के महान और लम्बे संघर्ष का आधार वे मूल्य थे जो उन्होंने गाँधीजी के जीवन और उनकी शिक्षाओं से ग्रहण किये थे। उन्होंने महात्मा गाँधी की इस बात के लिए सराहना की कि उनमें नैतिकता और सदाचार का संगम तो था ही। इसके साथ-साथ वे दृढ संकल्प वाले व्यक्ति भी थे और उन्होंने कभी भारत के दमनकर्ता ब्रिटिश साम्राज्य से समझौता नहीं किया।

मोदी को यह पता होना चाहिए कि दुनिया के कई विश्वविद्यालयों में गांधियन स्टडीज पाठयक्रम का हिस्सा है। कई स्कूलों में गांधीजी की शिक्षाएं पढ़ाई जातीं हैं। दुनिया के करीब 80 शहरों में गाँधीजी के नाम पर सड़कें हैं और उनकी मूर्तियाँ हैं।

जहाँ तक फिल्मों का सवाल है, हमारे अपने फिल्म्स डिवीज़न ने गांधीजी पर डाक्यूमेंट्री बनाई थी, जिसका निर्माण विट्ठलभाई झवेरी ने किया था। यह फिल्म एटनबरो की फिल्म से बहुत पहले बनी थी। बल्कि एटनबरो ने यह फिल्म दो बार देखी थी और उन्होंने फिल्म के मुख्य पात्र बेन किंग्सले से कहा था कि गांधीजी के हावभाव और व्यवहार का तरीका समझने के लिए यह फिल्म देखें।

जहाँ तक मोदी के इस आरोप का सवाल है कि पुरानी सरकारों ने गांधीजी को विदेशों में लोकप्रिय बनाने के लिए कुछ नहीं किया, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि एटनबरो की फिल्म में भी भारत सरकार ने नेशनल फिल्म डेवलपमेंट कारपोरेशन के ज़रिये एक बड़ी राशि निवेशित की थी। मोदी की जानकारी के लिए, एटनबरो की फिल्म को अन्यों के अतिरिक्त नेहरु को भी समर्पित किया गया है। नेहरु ने एटनबरो को यह सलाह दी थी कि वे अपनी फिल्म में गांधीजी को देवता न बनाएं बल्कि अपनी कमजोरियों के साथ एक मनुष्य के रूप में प्रस्तुत करें। गांधीजी को लोग उन पर बनी फिल्मों के कारण नहीं जानते बल्कि उन पर फिल्में इसलिए बनीं क्योंकि उन्हें दुनिया जानती थी। उन पर सैकड़ों पुस्तकें लिखी गयी हैं।

चुनाव ख़त्म हो गया है और गांधीजी पर यह बयान, जिसका उद्देश्य लोगों का ध्यान भटकाना है, का उपयोग हम राष्ट्रपिता और उनकी अमूल्य शिक्षाओं को एक बार फिर याद करने के लिए कर सकते हैं। सद्भाव और शांति की उनकी शिक्षाएं आज पहले से भी अधिक प्रासंगिक हैं। (लेखक- राम पुनियानी/ ईएमएस)(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया। लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और सन 2007 के नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

श्री गुरू अरजनदेवजीच्या षहीद गुरपूरब

(सोमवार, दि। 10 जून 2024 वर विशेष)

''जो सुखु प्रभु गोविंद की सेवा सो सुखु राजि न लहीऐ॥''

शास्त्र सांगते की माणसानी गुरूशी जोडल्यानी लक्ष्य व सत्य मार्गाची प्राप्ती होते। गुरूंद्वारे चालवलेल्या समाजकल्याण व अन्य कार्यात मन लावून सेवा केल्यानीच या जीवाचे मन लोभ, मोह, अहंकार इत्यादी पासून दूर होऊन निर्मळ व पवित्र होते। त्याला रिद्धी सिद्धि व सुखाची प्राप्ती होऊन परमात्माच्या मार्गाची प्राप्ती होते। यात अनेक पौराणिक साखियॉ (प्रसंग)येतात। त्यात पंचम पातशाही गुरू अरजनदेवांची एक साखी (प्रसंग) याप्रकारे आहे।

भटिंडा (पंजाब) मधे राहणारा एक ब्राम्हण गंगाराम बाजरा व इतर धान्य सामग्री उंटावर ठेवून आपला उदर निर्वाह करण्यासाठी देश-विदेशात जात असे। धान्य विकायच्या उद्देशानी एकदा तो सतलज व व्यास नदी ओलांडून अमृतसर (गुरू का चक्क) ला आला। तेथे त्याने पाहिले की पंचम पातशाह श्री गुरू अरजनदेव महाराज द्वारे तलाव निर्माण करण्यात अनेक शिष्य सेवक काम करत होते। त्याच्या मनात विचार आला की येथे माझा सर्व बाजरा विकल्या जाईल। त्यानी तेथे आपले बस्तान बसवले व दूरूनच गुरूच्या चरणाला नमस्कार केले तेथील सेवा करणा-यांची लगन पाहून प्रभावित झाला। दोन-तीन दिवस गंगाराम तेथेच राहिला। एक दिवस धान्य संपले। त्यामुळे तेथे जेवण तयार होऊ शकले नाही। दूसाया दिवशीही जेव्हा लंगर झाले नाही। तेव्हा गंगारामनी भोजनकक्षात जाऊन आचारीला विचारले की लंगर का नाही झाला ? आचारी म्हणाला भेटा न आल्या मुळे लंगर नाही झाला। लंगर बंद आहे हे ऐकून गंगारामनी मनात विचार केला। हजारो लोक आपले कल्याण आणि परमात्म्यांचे नावाशी जुडण्यासाठी गुरूजींना पैसे व वस्तु इत्यादी भेट देतात व दिवस रात्र त्यांची सेवा करतात आणि जीवन सफल करतात याप्रकारे मी पण सेवा करून आपले जीवन सफल करेन।

गंगाराम म्हणाला की मी बाजरा विकायला आलो आहे। आज माझ्याजवळचे बाजरा घेऊन लंगर करा। तेव्हा आचारीनी गुरूजींना सांगितले की एक ब्राम्हण गंगाराम बाजरा विकायला आला आहे व आता तो लंगर करावयाला देत आहे। जर आपली आज्ञा असेल तर त्याच्या कडून बाजरा घेऊन लंगर करू। गुरूजी म्हणाले कि गंगाराम कडून धान्य मोजून घ्या व त्याची किंमत त्याला वैशाखीच्या सणात जी भेट येईल त्यातून देऊ। आज्ञेनूसार आचारीनी गंगारामकडून 100 मन बाजरा मोजून घेतला व लंगर तयार केले । दूस-या दिवशी पून्हा भोजनकक्षात धान्य नव्हते। तेव्हा गंगारामनी पून्हा 100 मन बाजरा मोजून दिला। याप्रमाणे 5 दिवस गंगारामनी 100-100 मन बाजरा मोजून दिले। प्रभावित गंगाराम तलावाचे सेवा ही शिष्यांसोबत मोठया प्रेमानी करू लागला व सतनाम चा सिमरन करू लागला। त्यामुळे त्याला खूप आनंद मिळू लागला व त्याच्या आत्म्याला शांती ही मिळू लागली।जी त्याला अगोदर कधीही मिळाली नव्हती।

वैशाखीची जत्रा आली। संगत दूरून दूरून आली। गुरूजी ला खूप भेटवस्तू चढवली। ज्यात धान्य, कपडा व पैसा ही होता। जत्रेच्या समाप्ती नंतर गुरूजींनी दिवानजीला हुकूम दिला की गंगारामचा हिशोब करून त्याला बाज-याचे पैसे देऊन टाका। आता गंगारामचे हृदय सेवा करून व नाम जपून निर्मळ झाले होते। तेव्हा गंगारामनी हात जोडून म्हटले महाराज मी बाज-याचे पैसे घेणार नाही आणि इथेच राहून सेवा करून आपला जन्मे सफल करेल। गुरूजी म्हणाले पंडितजी पहिले आपल्या हिशोबाचे पैसे आणि 25 प्रतिशत अधिक घेऊन आपल्या घरी पाठवा किंवा तुम्ही जा। कारण तुम्ही ऐन वेळे वर आम्हाला बाजरा दिले। पुन्हा येऊन मग सेवा करा। गुरूनानकदेव तुमचे सगळे मनोरथ पूर्ण करेल। गंगारामनी विनंती केली कि महाराज मी मनापासून आपला शिष्य झालो आहे आणि ते धान्य आपल्याला भेट दिले म्हणून मला पैसे नाही पाहिजे। तुम्ही मला आपला शिष्य बनवून माझे जीवन सफल करा। मी आपल्या शरण आलो आहे। असा दृढ निश्चय पाहून गुरूजींनी त्याला आपला शिष्य बनवले व गंगाराम मोठया प्रेमाने मन लावून सेवा व सिमरन करू लागला। गुरूजींनी त्याच्यावर कृपा करून त्याला सतनामचा उपदेश दिला। गुरूंजीच्या कृपेनी त्याला रिद्धी-सिद्धी ही प्राप्त झाली। गुरूजी त्याला म्हणाले तूम्ही आता भटिंडा गावात जाऊन सतनामचा जप करा व दूस-याकडून ही करवून घ्या। आज्ञेचे पालन करून गंगाराम आपल्या गावी गेला आणि तोंडून जे बोलत होता तसेच होत होते। अशाप्रकारे गंगाराम सतनामचे नामस्मरण करायचा आणि दूस-यांकडून ही देवाचे नामस्मरण, सेवा व सत्यव्यवहार करवून घ्यायचा। आणि त्याला मोक्ष प्राप्ती झाली। अशाप्रकारे गुरूजीनी अनेक गंगाराम सारखे लोकांना देवाचे नामस्मरण सेवा करणे आणि सत व्यवहाराशी जोडले।

पाचवे पातशाही श्री गुरू अरजनदेवजी या जगात 43 वर्ष राहिले। त्यांनी मानवतेसाठी ज्येष्ठ सुदी 4 संवत 1663 ला शहीद झाले। ज्याचे यावर्षी समकक्ष अंग्रजी तारखेप्रमाणे 10 जून 2024 सोमवारीला आहे। अशा महान, सत्यमार्ग दाखवणारे सदगुरूंचा शहिदी दिवसावर शत-शत प्रणाम। (लेखक- अधि. माधवदास ममतानी/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8033

बाएँ से दाएँ

1.अभिप्राय,अभिव्यक्ति-3
3.सादापन,भोलापन-4
6.अवश्य-3
7.कांच का मर्तबान-2
8.पानी से सराबोर-2
10.करधनी,कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12.उद्धार,उत्कृष्ट-3
15.माला का मोती-3
17.सेवक,रोगी की देखभाल करने वाला-5
20.एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22.चलने का ढ़ंग-2
23.गर्भ

टी20 विश्व कप : बांग्लादेश को हराने के इरादे से उतरेगी दक्षिण अफ्रीका-रात 8 बजे से होगा मुकाबला

न्यूयार्क (ईएमएस)। दक्षिण अफ्रीका की टीम सोमवार को यहां होने वाले टी20 विश्व कप क्रिकेट मुकाबले में बांग्लादेश को हराकर अपनी लय बनाये रखने उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अभी तक ग्रुप डी में अपने शुरुआती दोनो मैच जीते हैं , ऐसे में उसका लक्ष्य यहां भी जीत हासिल करना रहेगा। इस मुकाबले में हालांकि दोनों ही टीमों के लिए नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की पिच पर खेलना आसान नहीं होगा। अब तक इस पिच पर कोई भी टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी है।

दक्षिण अफ्रीकी टीम ने हालांकि अपने पहले दो मैच इसी मैदान पर खेले हैं, ऐसे में उसके लिए इस पिच पर खेलना बांग्लादेश के मुकाबले आसान रहेगा। बांग्लादेश ने इस मैदान पर एकमात्र अभ्यास मैच भारत से खेला था जिससे उसे करारी हार मिली थी जिससे उसका मनोबल कमजोर रहेगा। दक्षिण अफ्रीका की टीम के लिए भी ये मुकाबला आसान नहीं है। इसका कारण है कि उससे नीदरलैंड और श्रीलंका के खिलाफ मुकाबले जीते हैं पर उसके बल्लेबाजों को यहां रन बनाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा था। दक्षिण अफ्रीका के लिए राहत की बात ये है कि उसके गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में बांग्लादेशी बल्लेबाजों के लिए इस गेंदबाजों का सामना करना कठिन होगा। , दक्षिण अफ्रीकी टीम में एनरिक नोर्किया, कैगिसो रबाडा, मार्को यानसन और ओटनील बार्टमेन जैसे तेज गेंदबाजों के साथ ही केशव महाराज जैसा अनुभवी स्पिनर भी है।

दक्षिण अफ्रीका की चिंता हालांकि शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अब तक रन नहीं बनाना रहा है। डच टीम के खिलाफ हुए मुकाबले में उसकी टीम पहले 10 ओवरों में केवल 33 रन बना पाई थी। इसके बाद ट्रिस्टन स्टब्स और डेविड मिलर की साझेदारी के कारण ही वह हार से बची। दक्षिण अफ्रीका के अभी दो मैच में चार अंक हैं और बांग्लादेश के खिलाफ जीत से सुपर 8 में जगह बनाने में उसे आसानी होगी।

वहीं आंकड़ों पर नजर डाले तो दक्षिण अफ्रीका की टीम अभी तक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बांग्लादेश से कोई मैच नहीं हारी है। बांग्लादेश ने इस टूर्नामेंट में श्रीलंका को हराया है और इसी से प्रेरणा लेकर वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उतरेगी पर जीत के लिए उसके बल्लेबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना रहेगा। भारत के खिलाफ अभ्यास मैच के साथ ही श्रीलंका के खिलाफ ग्रुप चरण के मैच में भी उसे बल्लेबाजों को रनों के लिए खासा संघर्ष करना पड़ा था। बांग्लादेश की ओर से बल्लेबाजी में केवल लिटन दास ही कुछ हद तक रन बना पाये थे।

बांग्लादेश को इस मुकाबले में जीत दर्ज करनी है तो उसके सभी बल्लेबाजों को भी अच्छा प्रदर्शन करना होगा। बांग्लादेश के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अब तक के हुए मुकाबलों में लय में नहीं दिखे। कुल मिलाकर देखा जाये तो ये मुकाबला रोमांचक रहेगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डी कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

बांग्लादेश : नजमुल हुसैन शंटो (कप्तान), तस्कीन अहमद, लिटन दास, सौम्या सरकार, तंजीद हसन तमीम, शाकिब अल हसन, तौहीद ह्रदय, महमूद उल्लाह रियाद, जैकर अली अनिक, तनवीर इस्लाम, शाक महेदी हसन, रिशाद हुसैन, मुस्तफिजुर रहमान, शोरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब। यात्रा करने वाले रिजर्व: अफीफ हुसैन, हसन महमूद।

पीएम के शपथ ग्रहण के बाद ओडिशा के सीएम की हो सकती है घोषणा

भुवनेश्वर,(ईएमएस)। आज नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने जा रहे हैं। इस शपथ ग्रहण समारोह में देश विदेश से कई लोगों को आमंत्रित किया गया है। शपथ के बाद देश की बागडोर एनडीए सरकार के हाथों में होगी। वहीं नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण के बाद ओडिशा में भी मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा हो सकती है।

ओडिशा बीजेपी प्रमुख मनमोहन सामल ने यह जानकारी देते हुए कहा कि बीजेपी का संसदीय दल अपनी बैठक में सीएम का चयन करेगा। राज्य के अगला सीएम कौन होगा अभी इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। सामल ने कहा कि ओडिशा बीजेपी के अध्यक्ष के रूप में वे शपथ ग्रहण समारोह की व्यवस्था कर रहे हैं।

ओडिशा में लोकसभा के साथ हुए विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने 147 में से 78 सीट जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया है। बीजेपी नेता ने कहा कि वह एनडीए के संसदीय दल के नेता के चयन के लिए एक बैठक में भाग लेने के लिए दिल्ली गए थे। राज्य के सभी नवनिर्वाचित सांसद वहां मौजूद थे। दिल्ली में आयोजित अन्य पार्टी कार्यक्रमों में भी शामिल हुए। बीजेपी ने ओडिशा की 21 लोकसभा सीटों में से 20 पर जीत हासिल की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 10 जून को ही ओडिशा की भी नई सरकार का शपथ ग्रहण हो सकता है। फिलहाल शपथ ग्रहण की तैयारियां चल रही हैं। इस कार्यक्रम में नरेंद्र मोदी के भी शामिल हो सकते हैं।

यूएफसी में जीत हासिल करने वाली पहली भारतीय पहलवान बनीं पूजा

केंटकी (ईएमएस)। भारतीय महिला पहलवान पूजा तोमर ने ब्राजील की रेयान डॉस सैंटोस को हराकर अल्टीमेट फाइटिंग चैंपियनशिप (यूएफसी) में जीत हासिल की है। है। पूजा ने यूएफसी लुइसविले में स्ट्रॉवेट (52 किग्रा) वर्ग में सैंटोस को 30-27, 27-30, 29-28 से हराया। इसी के साथ ही पूजा यूएससी में जीत दर्ज करने वाली भारत की पहली मिश्रित मार्शल आर्ट फाइटर बनी हैं।

पूजा ने जीत के बाद उत्साहित होकर कहा, 'यह केवल मेरी जीत नहीं है। यह भारत के सभी प्रशंसकों और भारतीय पहलवानों की जीत है। इससे पहले कभी किसी को उम्मीद नहीं थी कि भारतीय पहलवान भी इसमें हरा सकते हैं। इसलिए मुकाबले के दौरान मेरा धयान केवल जीत पर लगा हुआ था। मैं साबित करना चाहती थी कि भारतीय फाइटर भी यहां जीत दर्ज कर सकते हैं।

पूजा ने पिछले साल अक्टूबर में यूएफसी के साथ अनुबंध किया था और इस तरह से वह मिश्रित मार्शल आर्ट्स की सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली भारत की पहली महिला खिलाड़ी हैं। इससे पहले भारत की ओर से केवल अंशुल जुबली और भरत कंडारे ने ही यूएफसी में भाग लिया था।

पूजा पांच बार की राष्ट्रीय वुशु चैंपियन भी रही हैं। इसके साथ ही वह कराटे और ताइक्वांडो भी खेलती हैं।

कर चोरी रोकने तंबाकू निर्माताओं के लिए नया फार्म जारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने कर चोरी रोकने के लिए पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के निर्माताओं के लिए एक नया फार्म जारी किया है। इस फार्म के जरिए निर्माता कच्चे माल और तैयार माल का ब्यौरा कर अधिकारियों को देंगे। यह नया फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 है। जीएसटीएन ने इससे पहले ऐसे निर्माताओं की मशीनों के पंजीकरण के लिए जीएसटी एसआरएम-1 फॉर्म जारी किया था। जीएसटीएन ने सात जून को अपने करदाताओं को सूचित किया, फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 नामक दूसरा फॉर्म भी पोर्टल पर उपलब्ध है। पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के निर्माण में शामिल करदाता अब संबंधित महीने के लिए खरीदे गए और खपत किए गए कच्चे माल और तैयार माल का विवरण बता सकते हैं। मूर सिंघी के एक अ?धिकारी ने कहा कि नए फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 में कच्चे माल और तैयार माल का विस्तृत मासिक विवरण देना होगा। उन्होंने कहा कि इस फॉर्म का उद्देश्य पान मसाला और तम्बाकू उत्पादों की विनिर्माण प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है।

वैश्विक रुझान शेयर बाजार की चाल तय करेंगे- कच्चे तेल और जिंस की कीमतों से भी बाजार की चाल तय होगी

मुंबई (ईएमएस)। इस सप्ताह फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले, घरेलू मुद्रास्फीति के आंकड़े और वैश्विक रुझान शेयर बाजार की चाल तय करेंगे। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। पिछले सप्ताह आम चुनाव के नतीजों और आरबीआई नीति समीक्षा के बीच बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बाजार के जानकारों ने कहा कि लोकसभा चुनाव और आरबीआई नीति समीक्षा के नतीजे आ चुके हैं। अब निवेशकों का ध्यान वैश्विक कारकों पर है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल, कच्चे तेल और जिंस की कीमतों से बाजार की चाल तय होगी। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के निवेश पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। उन्होंने कहा ?कि बाजार का परिदृश्य प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा। भारत में डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति, चीन में सीपीआई मुद्रास्फीति, ब्रिटेन में जीडीपी के आंकड़े, अमेरिका में सीपीआई के आंकड़े और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले से बाजार की आगामी दिशा तय होगी। आने वाले दिनों में बाजार में अस्थिरता कम होने की संभावना भी है। बाजार पर इस सप्ताह आरबीआई के ब्याज दरों को यथावत रखने से दर-संवेदनशील समूहों में लिवाली जारी रह सकती है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्र में एक फिर राजग की सरकार बनने से बाजार समर्थित नीतियों के आगे भी जारी रहने का सेंसेक्स और निफ्टी पर असर देखा जा सकेगा। इनके अलावा वैश्विक घटनाक्रम, कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के निवेश प्रवाह का भी बाजार पर असर रहेगा।

आदिवासी समुदाय का धर्म हिन्दू नहीं, नव निर्वाचित सांसद राजकुमार ने रखी अपनी राय

जयपुर,(ईएमएस)। राजस्थान के बांसवाड़ा लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर संसद पहुंचने वाले नवनिर्वाचित सांसद राजकुमार रोत का कहना है कि वो न तो हिन्दू हैं और न ही आदिवासी समुदाय ही हिन्दू धर्म को मानता है। गौरतलब है कि राजकुमार 2018 के विधानसभा चुनाव से ही आदिवासी समुदाय के एक बड़े नेता के तौर पर अपनी पहचान बना चुके हैं और लोकसभा चुनाव 2024 में आदिवासी बाहुल्य लोकसभा सीट डूंगरपुर बांसवाड़ा से जीत भी दर्ज करा चुके हैं। ऐसे में उनके इस कथन से कि वो हिन्दू नहीं हैं को लेकर माहौल गर्मा गया है।

यहां बताते चलें कि राजकुमार ने आदिवासी समुदाय के दिग्गज कहे जा रहे नेता महेंद्रजीत सिंह मालवीय को करारी शिकस्त दी है। इस कारण भी राजकुमार रोत का सियासी कद बढ़ गया है। एक साक्षात्कार के दौरान नवनिर्वाचित सांसद राजकुमार ने कहा कि आदिवासी समुदाय हिंदू नहीं है और मैं भी हिंदू धर्म को नहीं मानता हूं। जब से यह बयान सोशल मीडिया पर आया है तभी से कुछ लोग राजकुमार रोत को ट्रोल करने में लगे हुए हैं। वैसे राजकुमार दो बार लगातार विधायक रहने के बाद संसद पहुंच रहे हैं, इसलिए उन्होंने जो कहा है वह पूरी जिम्मेदारी से ही कहा होगा। ऐसा उनके शुभचिंतकों की राय है।

दरअसल एक साक्षात्कार के दौरान जब धर्म की बात उठाई गई तो उन्होंने कहा, कि हिंदू मैं नहीं हूं और आदिवासी समुदाय का धर्म हिंदू नहीं है। उन्होंने इसे स्पष्ट करते हुए कहा कि हिंदू धर्म को मानने वालो का उनका अपना रीति-रिवाज अलग है और आदिवासी जाति समुदाय की रिति-रिवाज अलग है, आदिवासी जाति हिंदू नहीं है। इसी बीच उनके नाम राजकुमार पर भी सवाल उठाए गए और उसे भी हिंदू बताया गया तो उन्होंने सवाल करते हुए कहा, आखिर किस ग्रंथ में लिखा है कि राजकुमार नाम हिंदू धर्म का है। उन्होंने पुनः स्पष्ट किया कि न तो वो हिंदू धर्म मानते हैं और न हीं ईसाई धर्म मानते हैं। नॉमिनेशन फॉर्म के धर्म वाले कॉलम को लेकर उन्होंने चुन्नीलाल गरासिया का उदाहरण प्रस्तुत किया और कहा कि चुन्नीलाल ने भी अपने नॉमिनेशन फॉर्म में धर्म के कॉलम में हिंदू नहीं लिखा था। उनके हिन्दू धर्म के नहीं होने वाले बयान को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ लोग बराबर ट्रोल करने और आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं। यही नहीं राजकुमार ने भील प्रदेश की मांग रख सियासी गलियारे में हलचल पैदा कर दी है।

नवनिर्वाचित सांसद राजकुमार ने राजस्थान में आदिवासियों के लिए अलग से भील प्रदेश के गठन की मांग लोकसभा में रखने का बयान भी दिया है। उनका कहना है कि भील प्रदेश बनाए जाने के लिए वह लोकसभा में पुरजोर तरीके से मांग रखेंगे। उन्होंने कहा कि भील प्रदेश की मांग कोई नई मांग नहीं है, बल्कि गोविंद गुरु भी अलग भील प्रदेश बनाए जाने को लेकर आंदोलन कर रहे थे। उस समय किए गए आंदोलन में अंग्रेजों ने गोलीबारी की थी, जिसमें 1500 आदिवासी शहीद हुए थे। भारत आदिवासी पार्टी पृथक भील प्रदेश की मांग पर अडिग है। अंत में उन्होंने कहा कि संसद में वो राजस्थान के आदिवासी समुदाय के हितों की रक्षा के लिए सतत प्रयासरत रहेंगे।

पाकिस्तान के पीएम ने चीन जाकर उठाया कश्मीर का मुद्दा, जिनपिंग बोले एकतरफा फैसले नहीं ले सकता भारत

बीजिंग(ईएमएस)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बीजिंग में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान शहबाज ने एक बार फिर से कश्मीर का मुद्दा उठाया। उन्होंने जिनपिंग को कश्मीर से जुड़े सभी नए अपडेट्स की जानकारी दी। बैठक के बाद जारी हुए जॉइंट स्टेटमेंट में चीन ने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर में भारत की एकतरफा कार्रवाई का विरोध करता है। भारत और पाकिस्तान के बीच लंबे समय से इस मुद्दे को लेकर विवाद रहा है। इस मसले को शांति के साथ ह्र के चार्टर और ह्रस्ष्ट के प्रस्तावों के तहत हल किया जाना चाहिए।

चीन पहले भी अलग-अलग मौकों पर कश्मीर को लेकर ऐसे बयान देता आया है, जिनका भारत ने हमेशा विरोध किया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि कश्मीर पर भारत का क्या रुख है ये पूरी दुनिया जानती है। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हमारा अभिन्न हिस्सा हैं और हमेशा रहेंगे। इस मामले में किसी भी देश के पास टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है।

चीन से निवेश बढ़ाने पर बातचीत

जिनपिंग से बैठक के बाद शरीफ ने बताया कि उन्होंने चीन से आपसी सहयोग और निवेश बढ़ाने लेकर बातचीत की। पाकिस्तान इस समय गंभीर आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि वे पाकिस्तान के साथ आपसी साझेदारी और संबंधों को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही चीन पाकिस्तान में विकास को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। दोनों देश इस नए युग में क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास पर साथ मिलकर काम करेंगे।

अमेरिका में खालिस्तानी समर्थकों ने इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकाली - भारतीय वाणिज्य दूतावास के सामने किया प्रदर्शन

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। कनाडा के वैंकूवर में खालिस्तानी समर्थकों ने भारत की दिवंगत पीएम इंदिरा गांधी की हत्या को दिखाने वाली झांकी निकाली। ऑपरेशन ब्लू स्टार के 40 साल होने पर यह आयोजन किया गया था। अब इसी तरह का मामला अमेरिका में भी सामने आया है, जो फ्रीडम ऑफ स्पीच के नाम पर भारत का विरोध करने की इजाजत दे रहा है। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास के सामने 6 जून को इंदिरा गांधी की हत्या को दिखाने वाली झांकी निकाली गई। वैसे तो अमेरिका दुनिया को हिंसा न करने का ज्ञान देता है, लेकिन जब खालिस्तान समर्थक भारत की प्रधानमंत्री की हत्या का महिमामंडन करते हैं तो वह आंखें मूंद लेता है इस हरकत पर वह वह मौन है।

कनाडा में इंदिरा गांधी की हत्या को दर्शाने वाले पोस्टर को लेकर ट्रूडो सरकार के एक मंत्री ने कहा कि कनाडा में हिंसा को प्रोत्साहन दिया जाना स्वीकार नहीं किया जा सकता। भारतीय मूल के एक कनाडाई सांसद ने इस मुद्दे पर चिंता जताई और कहा की कि ऐसा करके खालिस्तानी समर्थक हिंदू कनाडाइयों के मन में हिंसा का डर पैदा करने का प्रयास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी की 1984 में सिख अंगरक्षकों ने हत्या कर दी थी। इस बीच कनाडा के हाउस ऑफ कामंस में नेपियन निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधित्व भारतीय मूल के कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने कहा कि वैंकूवर में खालिस्तान समर्थक गोलियों से छलनी भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शव और साथ में अपनी बंदूक लिये खड़े उनके हमलावर अंगरक्षक के पोस्टर के माध्यम से हिंदू-कनाडाइयों के मन में हिंसा का डर पैदा करने कोशिश कर रहे हैं।

आर्य ने कहा कि ब्रम्पटन में भी सिख फॉर जस्टिस के गुरपतवंत सिंह पन्नू ने हिंदुओं को भारत चले जाने की धमकी दी थी, यह उन्हीं धमकियों की निरंतरता है।

आर्य ने कनाडा की कानून प्रवर्तन एजेंसियों को तत्काल कार्रवाई करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि यदि इसे यूं ही चलते रहने दिया गया तो संदेश देने के लिए इस्तेमाल की जा रही बंदूक की तस्वीरों से वाकई कुछ ऐसा न हो जाए। इंदिरा गांधी के माथे पर प्रमुखता से बिंदी को दर्शाना यह तय करना है कि लक्षित निशाने कनाडा में हिंदू हैं। भारत कहता रहा है कि कनाडा में अलगाववादियों, आतंकवादियों और भारत-विरोधियों को दी जाने वाली छूट कनाडा के साथ उसका मूल मुद्दा बना है।

फिलीपीन्स के बाद वियतनाम पर चीन की बुरी नजर

-सर्वेक्षण जहाजों की पानी में बढ़ती गतिविधियों ने बढ़ाई चिंता

हनोई,(ईएमएस)। चीन दक्षिण पूर्व एशिया के अपने पड़ोसी देशों के साथ आक्रामक रुख अपना रहा है। कुछ समय से चीन और फिलीपींस के बीच टकराव की स्थिति बनी है, लेकिन अब दक्षिणी चीन सागर में एक और देश चीन के निशाने पर है। वियतनाम ने अब चीन के सर्वेक्षण जहाजों की पानी में बढ़ती गतिविधियों पर चिंता जताई है। वियतनाम ने चीन की इन गतिविधियों को अवैध बताया है। वियतनामी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता फाम थू हांग ने बताया कि वियतनाम ने चीन से अपने विशेष आर्थिक क्षेत्र और महाद्वीपीय शेल्फ पर अवैध सर्वेक्षण गतिविधियों को रोकने की मांग की है।

चीनी जहाजों की वियतनाम के विशेष आर्थिक क्षेत्र में घुसपैठ बढ़ी है, जो वियतनाम के खिलाफ खतरे को बढ़ा रही है। 2023 में एक चीनी सर्वेक्षण जहाज ने वियतनाम के विशेष आर्थिक क्षेत्र में एक महीने तक घुसपैठ की, जो देश के तट से 200 समुद्री मील तक फैला है। वियतनामी जलक्षेत्र में चीनी जहाजों के सर्वे करने को लेकर एक सवाल के जवाब में हांग ने कहा कि वियतनाम इन गतिविधियों को लेकर चिंतित है और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए उसने चीनी अधिकारियों से संपर्क किया है।

वियतनामी ने कहा कि चीन के अंतरराष्ट्रीय कानूनों, खासतौर से 1982 से संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन और पूर्वी सागर में पक्षों के आचरण पर घोषणापत्र का पालन करना चाहिए। चीनी सर्वेक्षण जहाजों की बढ़ती मौजूदगी उसकी बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसके तहत वह पूरी दक्षिणी चीन सागर पर अपना कब्जा जमाना चाहता है। ये इलाका तेल भंडार और प्राकृतिक गैस से समृद्ध है। यहां 11 अरब बैरल अप्रयुक्त तेल और 190 ट्रिलियन क्यूबिक फीट प्राकृतिक गैस होने का अनुमान है।

ईरान ने किया इस्लामिक देशों से आग्रह, बंद करें इजराइल से लेन-देन

तेहरान,(ईएमएस)। ईरान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अली बघेरी ने इस्लामिक देशों से आग्रह किया है कि वे इजराइल के साथ राजनीतिक एवं आर्थिक सहयोग बंद कर दें। श्री बघेरी ने कहा कि ऐसी स्थिति में इजराइल के साथ लेन-देन बंद कर देना चाहिए और आयात का बहिष्कार करना चाहिए। यह बात श्री बघेरी ने एक साक्षात्कार के दौरान कही। उन्होंने कहा कि हमारी राय है कि इस्लामिक देश इजराइल से युद्ध बंद होने तक सभी तरह के संबंध तर्क कर दें। उन्होंने कहा कि स्लामिक देशों द्वारा की जाने वाली सबसे प्रभावी पहल यही होगी कि इजराइली शासन के साथ राजनीतिक और आर्थिक सहयोग बंद करें और इसके साथ सभी आयात और निर्यात का बहिष्कार करें।

चीनी नागरिकों पर हमलों को लेकर

जिनपिंग ने पाकिस्तान को लताड़ा, कर्मियों, परियोजनाओं और संगठनों की सुरक्षा की गारंटी देनी होगी

बीजिंग,(ईएमएस)। पाकिस्तान इस समय कंगाली के दौर से गुजर रहा है और वह अपने दोस्तों के आगे हाथ फैलाने को मजबूर हैं। वहीं पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ पांच दिन का चीन दौरा पूरा करके इस्लामाबाद वापस आ गए हैं। इस दौरान शरीफ चीन के राष्ट्रपति समेत चीन के बड़े नेताओं से मुलाकात की और तमाम मुद्दों पर चर्चा की। इस्लामाबाद ने इसे शरीफ के दौरे को सफल बताया है, जिसमें चीन ने पाकिस्तान में कई प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ने की बात कही है।

पाकिस्तान इस दौरे में चीन से सीपीईसी के लिए लोन और निवेश की उम्मीद कर रहा था। चीन ने शहबाज शरीफ को भरोसे तो दिलाया है साथ ही कुछ कड़वे अनुभवों का भी उनको सामना करना पड़ा। पाकिस्तान में चीनी नागरिकों पर हमलों को लेकर चीन ने शहबाज को लताड़ा और उनसे चीनी नागरिकों को सुरक्षा देने को कहा। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पाकिस्तानी प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ से कहा कि उनका देश पाकिस्तान के साथ आर्थिक संबंधों को बढ़ाना चाहता है लेकिन सुरक्षा एक मुद्दा है। चीन उम्मीद करता है कि इस्लामाबाद एक सुरक्षित और स्थिर व्यापारिक माहौल बनाएगा। शी ने कहा कि चीन पाकिस्तान के साथ उच्च गुणवत्ता वाले निर्माण को बढ़ावा देना जारी रखेगा और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार कृषि, खनन, सामाजिक और आजीविका मामलों में सहयोग करता रहेगा।

शी जिनपिंग ने शरीफ से कहा कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को उन्नत करने के लिए वह तेजी से काम करेंगे और हरित उद्योग पर भी पाक की मदद करेंगे। शी ने शरीफ से कहा कि उनको भी पाकिस्तान में चीनी कर्मियों, परियोजनाओं और संगठनों की सुरक्षा की प्रभावी ढंग से गारंटी देनी होगी। शहबाज शरीफ ने शी जिनपिंग से कहा कि पाकिस्तान बेल्ट और रोड परियोजनाओं पर चीन के साथ सहयोग और मजबूत करेगा और चीनी कर्मियों और संस्थानों को सुरक्षा देने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएगा। शरीफ ने वादा किया कि पाकिस्तान सरकार चीनी कर्मचारियों को निशाना बनाने वाले आतंकवादियों को सख्त से सख्त सजा देगी।

अमेरिका ने शुरु की नाइजीरिया से सैनिक वापसी, संयुक्त बयान में दी जानकारी

नियामी,(ईएमएस)। अमेरिका ने नाइजीरिया से सैनिकों की वापयी शुरू कर दी है। सैनिक वापसी को लेकर दोनों देशों के रक्षा मंत्रालयों ने शनिवार को एक संयुक्त बयान जारी किया है। इस बयान में बताया गया है, कि अमेरिकी रक्षा विभाग और नाइजर गणराज्य के नाइजीरियाई राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की है कि नाइजर से अमेरिकी सेना और संपत्ति की वापसी प्रारंभिक तैयारियों से लेकर पुनः तैनाती तक बढ़ गई है।

संयुक्त बयान में आगे कहा गया है कि यह खास बदलाव अमेरिकी वायु सेना के सी-17 ग्लोबमास्टर 3 के 7 जून को नियामी में हवाई अड्डा 101 से प्रस्थान के साथ प्रारंभ हो गया है। इसके अलावा अमेरिका की कुछ सेनाएं अपने मिशन समाप्त करने के बाद पहले ही नाइजर से अपने गृह स्टेशनों पर वापस तैनात हो चुकी हैं। बयान में आगे बताया गया, कि ऐसे समय में हवाई अड्डा 101 और 201 से सैनिकों की वापसी में सहायता करने की गरज से अमेरिकी सैन्य कर्मियों की एक छोटी टुकड़ी अफ्रीकी देश में पहुंची है।

अमेरिका और नाइजर 15 सितंबर से पहले अफ्रीकी देश से अमेरिका के सैनिकों की वापसी पर सहमत हुए। यहां से सैन्य वापसी मार्च में शुरू की गई थी, जब एक नाइजीरियाई सैन्य प्रवक्ता ने बताया था कि देश की संक्रमणकालीन सरकार ने नाइजीरियाई लोगों के हितों का ध्यान रखते और उसका हवाला देते हुए अमेरिका के साथ सैन्य समझौते को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया था। इस सरकार ने जुलाई 2023 में तख्तापलट कर सत्ता संभाली थी। इस समय नाइजर में लगभग 1,100 अमेरिकी कर्मी मौजूद हैं, जिनकी जल्द वापसी होने की संभावना है।

भारत के रईस सीईओ, रोजाना का वेतन सुनकर रह जाएंगे दंग

नई दिल्ली(ईएमएस)। भारत में कई सीईओ अक्सर सुर्खियों में रहते हैं और इसकी वजह होती है उनकी सैलरी। सिर्फ, भारत में ही नहीं, विदेशों में इंडियन सीईओ का जलवा है। खासकर अमेरिका की टेक इंडस्ट्री में सुंदर पिचाई, सत्य नडेला, अभिषेक मेहरोत्रा, अरविंद कृष्णा, निकेश अरोरा, नील मोहन, पराग अग्रवाल समेत कई और नाम शामिल हैं। लेकिन, हम बात कर रहे हैं भारत की दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के सीईओ सलिल पारेख की, जो अपनी सैलरी को लेकर फिर सुर्खियों में है।

इंफोसिस के सलिल पारेख भारत में किसी आईटी कंपनी के दूसरे सबसे अधिक वेतन पाने वाले सीईओ बन गए हैं। एनुअल रिपोर्ट में मिले आंकड़ों के अनुसार, उन्हें वित्त वर्ष 2024 में 66.25 करोड़ रुपये मिले। सलिल के पास आईटी सेवा उद्योग में लगभग तीन दशकों का अनुभव है। सलिल सिर्फ विप्रो के पूर्व सीईओ थिएरी डेलापोर्टे से पीछे हैं, जिन्होंने एफवाय 24 में 20 मिलियन अमरीकी डालर (लगभग 166 करोड़ रुपये) कमाए। सलिल पारेख, जनवरी 2018 से इंफोसिस का नेतृत्व कर रहे हैं। आईआईटी बॉम्बे के पूर्व छात्र रहे सलिल पारेख के करियर की कहानी बेहद दिलचस्प है। उन्होंने 1986 में आईआईटी बॉम्बे से एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया। लेकिन, करियर आईटी इंडस्ट्री में बनाया। इसके लिए उन्होंने, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग की डिग्री भी हासिल की। इंफोसिस ज्वाइन करने से पहले सलिल पारेख, कैपजेमिनी से जुड़े थे। वित्त वर्ष 2024 के लिए सलिल पारेख को 66.25 करोड़ रुपये का परिश्रामिक मिला। उनके वेतन में बढ़ोतरी हायर रिस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट्स के कारण हुई, जो कर्मचारियों को दी जाने वाली इक्विटी क्षतिपूर्ति का एक प्रकार है। अगर 66 करोड़ रुपये की सैलरी को 365 दिनों से डिवाइड करें तो सलिल पारेख का रोजाना का वेतन 18 लाख से ज्यादा बैठता है। उन्होंने अपने आरएसयू से 39.03 करोड़ रुपये कमाए। वहीं, सलिल पारेख को सैलरी के तौर पर 7 करोड़ रुपये, रिटायरमेंट लाभ के रूप में 47 लाख रुपये और या बोनस के रूप में 7.47 करोड़ रुपये कमाए। इससे पहले सलिल पारेख का एफवाय 23 मुआवजा एफवाय 22 में 71 करोड़ रुपये से घटकर 56 करोड़ रुपये रह गया था।

व्हाइट हाउस के सामने फिलिस्तीन समर्थकों का प्रदर्शन

वाशिंगटन(ईएमएस)। गाजा में इजराइल के हमलों के बीच शनिवार को अमेरिका में राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास व्हाइट हाउस के बाहर 30 हजार फिलिस्तीन समर्थकों ने प्रदर्शन किया। लोग सिर पर हमास का पट्टा बांधकर फिलिस्तीन का झंडा लहराते नजर आए। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे एक शख्स के हाथ में राष्ट्रपति बाइडेन का मुखौटा भी था, जो खून से सना हुआ था। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने अमेरिका के झंडे में आग भी लगाई। लोगों के हाथ में कई बैनर और पोस्टर भी थे। इसमें बाइडेन पर इतिहास के गलत पक्ष में होने का आरोप लगाया गया। प्रदर्शनकारियों ने आजाद फिलिस्तीन के नारे लगाए। उन्होंने कहा कि गाजा पर बमबारी में जितने बच्चों की जान गई है, उनकी चीख आपको हमेशा डराती रहेगी।

टीडीपी के राम मोहन नायडू एनडीए सरकार में सबसे कम उम्र के कैबिनेट मंत्री बने

-पिता के निधन के बाद राजनीति में रखा था कदम, चंद्रबाबू नायडू के हैं खास

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मोदी सरकार तीसरी बार सत्ता पर काबिज होने जा रही हैं इस बार मोदी सरकार में उसके घटक दल तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के दो सांसद मंत्री बनने जा रहे हैं। टीडीपी की ओर से दोनों सांसदों के नाम दे दिए हैं। इसमें राम मोहन नायडू किंजरापु कैबिनेट मंत्री और चंद्रशेखर पेम्मासानी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पद की शपथ लेंगे। आंध्र प्रदेश की श्रीकाकुलम सीट से तीसरी बार चुनकर आए राम मोहन नायडू (36) अबतक के सबसे कम उम्र के कैबिनेट मंत्री बने।

राम मोहन नायडू का जन्म निम्माडा में 18 दिसंबर, 1987 को हुआ था। वह पूर्व केंद्रीय मंत्री और टीडीपी नेता येरन नायडू के बेटे हैं। उन्हें राजनीति विरासत में मिली है.। राम मोहन ने शुरुआती पढ़

बालवाटिक में अधिक सुविधाएँ देखने को मिलेगी

कांकरिया में बदल जाएगा बालवाटिका का स्वरूप

अहमदाबाद, ९ जून ।

शहर की कांकरिया झील का कांकरिया लेक फ्रंट आज विश्व मानचित्र पर अंकित है । फिर कांकरिया झील के मोर्चे पर मोरपिंच में एक और आकर्षण जोड़ने जा रहा है । कांकरिया लेक फ्रंट पर कई अलग-अलग गतिविधियां की जाती हैं । कांकरिया की बालवाटिका छोटे बच्चों से लेकर सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रही है । बालवाटिक को अधिक सुविधाओं और नई रंग योजना के साथ पुनर्विकास किया जाएगा ।

अहमदाबाद महानगर पालिका द्वारा कांकरिया झील और कांकरिया लेक फ्रंट का नवीनीकरण और एक अंतरराष्ट्रीय मनोरंजन केंद्र के रूप में विकास किया गया है । जिसमें कांकरिया लेक फ्रंट का भ्रमण करने वाले छोटे-छोटे भुलकाओं में समय-समय पर स्कूल कॉलेज के छात्रों, युवाओं और बूढ़ों सभी उम्र के लोगों को आकर्षित करने वाले कई आकर्षण जोड़े गए हैं ।

चूंकि कांकरिया परिसर में बनी बालवाटिका लंबे समय से चल रही है, इसलिए इसे संरचनात्मक पुनर्विकास द्वारा नवीनीकृत किया जाएगा ताकि बच्चे ज्ञान के साथ मनोरंजन कर सकें । जिसमें कांकरिया परिसर में आने वाले युवा एवं वृद्धजनों को आकर्षित करने वाले नए आकर्षण जोड़ने हेतु बालवाटिका के आधुनिकीकरण एवं उन्नयन के साथ-साथ नई गतिविधियों के सृजन हेतु आवश्यक निविदा प्रक्रिया कर एक निजी एजेंसी को कार्य सौंपा गया है । सार्वजनिक निजी भागीदारी का आधार. एजेंसी द्वारा बालवाटिका की बची हुई गतिविधियों में आवश्यक सुधार किये जायेंगे । साथ ही लेजी रिवर, शेबोटिक डिनोपार्क, ट्रैफिक पार्क, ग्लास हाउस, मिरर हाउस, स्नो पार्क, वैक्स म्यूजियम आदि जैसे नए आकर्षण भी जोड़े जाएंगे । एजेंसी द्वारा सौंपने के एक साल के भीतर नवीनीकरण का काम पूरा हो जाएगा और उसके बाद बालवाटिका को आगंतुकों के लिए फिर से खोल दिया जाएगा । आज कांकरिया झील न केवल अहमदाबाद में बल्कि देश-विदेश में भी पहचान बना चुकी है ।

साल के अंत में आयोजित होने वाला कांकरिया कार्निवल आज सभी के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है. हर साल लाखों पर्यटक कांकरिया झील के सामने आते हैं, बालवाटिका का पुनर्विकास एक और आकर्षण बन जाएगा ।

एजेंसी द्वारा बालवाटिका की बची हुई गतिविधियों में आवश्यक सुधार किये जायेंगे । चूंकि कांकरिया परिसर में बनी बालवाटिका लंबे समय से चल रही है, इसलिए इसे संरचनात्मक पुनर्विकास द्वारा नवीनीकृत किया जाएगा ताकि बच्चे ज्ञान के साथ मनोरंजन कर सकें । कांकरिया परिसर में आने वाले युवा और वृद्ध लोगों को आकर्षित करने वाले नए आकर्षण जोड़ने के लिए, सार्वजनिक निजी भागीदारी के आधार पर नई गतिविधियों के साथ-साथ बालवाटिका के आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए एक निजी एजेंसी को काम सौंपा गया है । कांकरिया की बालवाटिका छोटे बच्चों से लेकर सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रही है ।

गिर में इस साल १५ जून से शेरों की छुट्टियाँ शुरू होंगी

शेरों के मेटिंग पीरियड के लिए छुट्टी दी जाती है, अब १६ अक्टूबर से शेरों को फिर से जाने की इजाजत दी जाएगी

जूनागढ़, ९ जून ।

जो लोग गिर के जंगल में शेर देखने जाना चाहते हैं उनके लिए बुरी खबर है । अब जल्द ही शेरों की छुट्टियां शुरू होने वाली हैं । पर्यटक अब चार महीने तक गिर के शेर का दीदार नहीं कर पाएंगे । क्योंकि, गिर का जंगल हर साल चार महीने पर्यटकों के लिए बंद रहता है । इस साल शेरों की छुट्टियां १५ जून से शुरू होंगी । अब सिर्फ ६ दिन बचे हैं, इसके बाद सिंह दर्शन नहीं किए जा सकेंगे । शेरों के मेटिंग पीरियड के कारण छुट्टियाँ चल रही हैं, अब १६ अक्टूबर से शेर दोबारा जा सकेंगे । जूनागढ़ के गिरनार नेचर सफारी पार्क में १५ जून से शेरों की छुट्टियां होंगी । यह अवकाश १५ अक्टूबर को पूरा हो गया था, अब १६ अक्टूबर से दोबारा शेर के दर्शन किए जा सकेंगे । इस संबंध में जूनागढ़ वन विभाग के डीसीएफ अक्षय जोशी ने बताया कि जूनागढ़ में गिरनार नेचर सफारी पार्क १५ जून से १५ अक्टूबर तक बंद रहेगा । एशियाई शेरों के लिए विश्व प्रसिद्ध गिर जंगल चार महीने के लिए बंद है । १५ जून से १६ अक्टूबर तक वनराजा में अवकाश घोषित है । गिर का जंगल हर साल मानसून के मौसम की शुरुआत के साथ बंद कर दिया जाता है । क्योंकि जंगल के राजा और कई अन्य जानवरों के लिए संभोग का मौसम शुरू हो गया है, वन विभाग ने पर्यटकों के लिए गिर के दरवाजे बंद कर दिए हैं ताकि उन्हें परेशानी न हो । क्योंकि, आपसी लड़ाई के कारण शेर और अन्य जानवर घायल हो जाते हैं । तेज़ बारिश में भी उन्हें बचाया और बचाया जाता है ।

मानसून के चार महीनों के दौरान, बारिश के कारण जंगल की सड़कें खराब हो जाती हैं । इसलिए भारी बारिश में सड़कों की मरम्मत जैसी चुनौतियां इन चार महीनों के दौरान करनी होती हैं । ताकि वेकेशन खुलने पर यात्रियों को कोई दिक्कत न हो ।

राज्य में 10 जून से बढ़ेगा बारिश का जोर

अहमदाबाद : अगले 7 दिनों तक राज्य में हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की गई है। प्रीमॉनसून गतिविधि और चक्रवाती परिसंचरण के कारण बारिश की शुरुआत होगी। मौसमविभागके पूर्वानुमान के मुताबिक 10 जून से बारिश की तीव्रता बढ़ेगी। प्रदेशवासियों को अब बारिश का बेसब्री से इंतजार है। भीषण गर्मी से जूझ रहे लोग सोच रहे हैं कि आखिर उन्हें गर्मी से राहत कब मिलेगी। तो आपको बता दें कि मौसम विभाग की ओर से शुक्रवार से सात दिनों तक राज्य में हल्की से मध्यम बारिश की भविष्यवाणी की गई है।

मौसमविभाग ने शुक्रवार से सात दिनोंतकराज्य केकई हिस्सों में सामान्यसेमध्यमबारिशकी भविष्य वाणी की है। यानी मानसून से पहले ही प्रदेश में मानसून जैसे हालात बन रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक प्री-मानसून एक्टिविटी के चलते सात दिनों तक राज्य के कई इलाकों में बारिश होने की संभावना है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलेगी। यह भी अनुमान लगाया गया है कि कुछ इलाकों में हवा के साथ बारिश भी होगी।

गुजरात पुलिस की बड़ी सफलता, समुद्र तट से लावारिस हालत में पाए गए ड्रग्स के 30 पैकेट; 16 करोड़ कीमत

देवभूमि द्वारका। गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले में ड्रग्स माफिया के खिलाफ पुलिस को बड़ी सफलता हासिल हुई है। रविवार को पुलिस ने बताया कि वरवाला के पास समुद्र तट पर 16 करोड़ रुपये मूल्य की चरस के 30 पैकेट लावारिस हालत में पाए गए। इसके अलावा वर्वाला के निकट तट पर तीन बोरियों में प्रतिबंधित सामग्री भी पाई गई।

देवभूमि द्वारका के पुलिस अधीक्षक नितेश पांडे ने बताया कि 'तट पर गश्त के दौरान स्थानीय पुलिस और विशेष अभियान समूह (एसओजी) के कर्मियों को दो रात पहले वरवाला के पास 30 पैकेटों से भरी तीन प्लास्टिक की बोरियां मिलीं।' नितेश ने आगे बताया कि फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) के अधिकारियों को सत्यापन के लिए बुलाया गया और उन्होंने पाया कि पैकेटों में 32 किलोग्राम चरस थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 16 करोड़ रुपये है। गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले में समुद्र तट पर 16 करोड़ रुपये मूल्य की चरस (ॅ16 ै) के 30 पैकेट लावारिस हालत में पाए गए। एक अधिकारी ने बताया कि वरवाला के पास समुद्र तट पर प्रतिबंधित पदार्थ से भरी तीन बोरियां मिलीं। देवभूमि द्वारका के पुलिस अधीक्षक नितेश पांडे ने कहा कि द्वारका पुलिस थाने में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है।

द्वारका पुलिस थाने में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। अधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि यह प्रतिबंधित पदार्थ गहरे समुद्र से बहकर किनारे पर आ गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

तेज हवा और बारिश के बीच पेड़ ढहने से दो लोगों की मौत, 4 घायल

भरुच (ईएमएस) भरुच समेत राज्य के कई जिलों में आज बारिश होने से लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत मिली है हालांकि भरुच में दो लोगों के मौत बनकर आई भरुच में तेज हवा और बारिश के बीच एक पेड़ ढहने से दो लोगों की मौत हो गई और 4 लोग घायल हो गए यह घटना भरुच के शुक्लतीर्थ से सामने आई है जहां तेज हवा चलने से एक पेड़ धराशायी हो गया और उसके नीचे दबने से दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि अन्य 4 लोगों के घायल होने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है बताया जाता है कि तेज हवा चलने से पेड़ के धराशायी होने पर एक कार उसके नीचे दब गई घटना के वक्त कार में सवार दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई हादसे के बाद बड़ी संख्या में आसपास के लोग घटनास्थल पर जमा हो गए और पेड़ के नीचे दबे लोगों को निकालने की कोशिशें तेज कर दी घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है

महिला के साथ बार-बार बलात्कार किया गया

वडोदरा, ९ जून ।

वडोदरा जिले के पादरा तालुका में रहने वाली एक महिला को उसकी बीमारी ठीक करने के बहाने लालची व्यक्ति ने बार-बार लूटा । हवासखोर ने प्रकृति के विरुद्ध कृत्य किया और सोने के आभूषण और नकदी लूट ली ।

प्राप्त विवरण के अनुसार, पादरा तालुक में रहने वाली एक महिला माइग्रेन, अनिद्रा और मानसिक तनाव से पीड़ित थी । इसी बीच महिला अमित चमनलाल मांडलिया (निवासी सुंदरियाना, जिला, बोटाद) के संपर्क में आई । अमित ने महिला को विश्वास में लेकर उसकी बीमारी का इलाज करने के बहाने उससे सोने की बालियां, चेन और नकदी ले ली । एक लाख रुपये जब्त किये गये ।

बाद में अमित मांदलिया ने महिला की बीमारी ठीक करने का दावा किया और उसकी अस्मत लूटकर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया । और महिला की इच्छा के विरुद्ध प्रकृति के विरुद्ध कार्य किया ।महिला ने विरोध किया तो उसे धमकी दी गयी । आखिरकार पीड़ित महिला ने अमित चमनलाल मांदलिया के खिलाफ पादरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई ।

मोदी कैबिनेट 3.0 में गुजरात बीजेपी अध्यक्ष सीआर पाटिल की एंट्री

अहमदाबाद: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे मंत्रीमंडल में गुजरात से छह नेताओं के मंत्री बनने की संभावना है। भाजपा नेता नरेंद्र मोदी ने आज शाम लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर इतिहास रच दिया। मोदी के साथ उनके मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने भी शपथ लिया। गुजरात से कई नेता और सांसदों ने केंद्रीय और राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली। इन सांसदों में गांधीनगर से सांसद अमित शाह पोरबंदर से सांसद मनसुख मंडाविया भावनगर से सांसद निमूबेन बंभनिया नवसारी से सांसद और गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटिल और राज्य से राज्यसभा सांसद एस जयशंकर शामिल हैं। ये सभी नेता आज दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पर आयोजित हाई टी में भी मौजूद थे।

गुजरात से कई नेता और सांसदों ने भी केंद्रीय मंत्री के रूप में शपथ ली। इन सांसदों में गांधीनगर से सांसद अमित शाह, पोरबंदर से सांसद मनसुख मंडाविया, भावनगर से सांसद निमूबेन बंभनिया, नवसारी से सांसद और गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटिल और राज्य से राज्यसभा सांसद एस जयशंकर शामिल हैं। बता दें कि ये सभी नेता आज दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पर आयोजित हाई टी में भी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्रीमंडल में अमित शाह समेत कुछ छह सांसद मंत्री बन सकते हैं। इनमें मौजूदा बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया, गुजरात बीजेपी अध्यक्ष सीआर पाटिल, एस जयशंकर और निमुबेन बामणिया का नाम शामिल है। बामणिया भावनगर से जीती हैं। अभी तक इस सीट पर प्रतिनिधित्व भारतीबेन शियाल करती आई हैं। नए मंत्री मंडल में मौजूदा केंद्रीय मंत्री परशोत्तम रूपाला को जगह नहीं मिलने की संभावना है। ऐसे में गुजरात से छह नेताओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। गुजरात बीजेपी अध्यक्ष राज्य की नवसारी सीट से चौथी बार जीते हैं। उन्होंने गुजरात में सबसे ज्यादा लीड से विजय हासिल की है। इस बार पाटिल 7.73 वोटों के अंतर से जीते हैं।

गुजरात में बीजेपी इस बार 26 लोकसभा सीटों में 25 पर जीत हासिल की है। एक सीट पर कांग्रेस को जीत मिली है। 25 सीटों में सूरत पर बीजेपी निर्विरोध जीती थी। 2014 में जब नरेंद्र मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने थे। तब गुजरात से अरुण जेटली, स्मृति ईरानी, मनसुख मंडाविया, परषोत्तम रूपाला, मोहन कुंडारिया, जसवन्तसिंह भाभोर, हरिभाई चौधरी, मनसुख वसावा मंत्री बने थे। इसके बाद जब 2019 में एस जयशंकर, मनसुख मंडाविया, परषोत्तम रूपाला, अमित शाह, देवुसिंह चौहान, दर्शन जरदोश, महेंद्र मुंजपारा मंत्री बनने का मौका मिला था। 2024 में सीआर पाटिल की एंट्री चौंकाने वाली है। अगर वे मंत्री बनते हैं। इसके बाद राज्य में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी किसी और नेता को सौंपेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे मंत्रिमंडल में गुजरात से छह सांसदों को मंत्री बनने का मौका मिल सकता है। इनमें बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और प्रदेश प्रमुख सीआर पाटिल के मंत्री पद की शपथ लेने की पूरी संभावना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर फिर मंत्री बन सकते हैं। बीजेपी के मौजूदा अध्यक्ष जे पी नड्डा और विदेश मंत्री एस जयशंकर राज्यसभा सांसद हैं। सूत्रों की मानें तो छह सांसदों पर एक मंत्री का फॉर्मूला रखा गया है। नीमू बांभणिया पहली बार सांसद बनी हैं, तो वहीं दूसरी तरफ मनसुख मांडविया भी पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए हैं।

गुजरात के कई जिलों में बारिश होने से लोगों को मिली गर्मी से राहत

अहमदाबाद (ईएमेस) गुजरात में असहनीय गर्मी के बीच मौसम में बदलाव आया है आज गुजरात के कई जिलों में झमाझम बारिश से मौसम ठंडा हो गया और लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली है खास तौर पर अमरेली, उमराला, भावनगर, सूरत, धारी समेत इलाकों में बारिश की खबर है जानकारी मुताबिक सूरत जिले की उमरपाड़ा तहसील के कुछ इलाकों में बारिश हुई है सौराष्ट्र के अमरेली जिले का माहौल भी बदल गया है और बारिश शुरू हो गई है अमरेली के अधिकांश तहसीलों में बारिश शुरू हो गई है अमरेली जिले की लीलिया तहसील के नाना डांगकोट, शेखपुर, नाना राजकोट सहित गांवोंबारिश होने से लोगों ने राहत की सांस ली है। लीलिया के गांवों में बारिश के बाद चारों ओर पानी पानी हो गया भावनगर के उमराला में भी बारिश हुई है बारिश के साथ ही उमराला शहर में मिनी तूफान भी आया है उमराला सेंट्रल स्कूल नंबर 1 में तूफान के कारण लोहे की छतें हवा हो गई स्कूल भवन के लोहे की छतें उडने से काफी नुकसान हुआ है उमराला शहर की सड़कों पर पेड़ गिरने से वाहन चालक फंसे गए तेज हवा और भारी बारिश के कारण राजमार्ग पर पेड़ गिरने से यातायात ठप हो गया है। इसके साथ ही स्थानीय लोगों और पुलिस द्वारा हाईवे से पेड़ों को हटाने का अभियान शुरू कर दिया गया है राज्य के कई जिलों में बारिश होने लोगों ने राहत की सांस ली है बोटाद शहर में तेज हवाओं के बीच मौसम में बदलाव हुआ है बोटाद शहर के कई इलाकों में भारी बारिश हुई है भीषण गर्मी के बीच बारिश का बच्चों ने लुत्फ उठाया बोटाद शहर के गढ़डा रोड, भावनगर रोड, ज्योतिग्राम सर्कल, पैयड रोड, टावर रोड समेत इलाकों में झमाझम बारिश की ठंडक से लोगों को राहत महसूस की

१४० किलो वजन वाले युवा ठेकेदार की आत्महत्या

जामनगर, ९ जून ।

जामनगर के शमेश्वर नगर इलाके में रहने वाले और निर्माण व्यवसाय से जुड़े एक युवा ठेकेदार ने अपने अधिक वजन की बीमारी से तंग आकर जहर पीकर आत्महत्या कर ली है । पुलिस में खुलासा हुआ है कि ऑपरेशन कर शरीर को छोटा करने के बाद भी कोई बदलाव नहीं होने पर यह कदम उठाया गया । इस घटना का विवरण इस प्रकार है कि ३३ वर्षीय ठेकेदार मनहरसिंह परबत सिंह जाडेजा, जो जामनगर में शमेश्वर नगर के पास शज शजेश्वरी सोसायटी स्ट्रीट नंबर ९ में रहते थे और निर्माण का व्यवसाय करते थे, की आत्महत्या की कोशिश के बाद इलाज के दौरान मृत्यु हो गई । इस घटना की जानकारी मृतक के परिजन कृपालसिंह विजय सिंह जाडेजा ने पुलिस और सीटी बी को दी । डिविज नल हेड कांस्टेबल शोयाभाई मकवा ने शव को कब्जे में लिया और आगे की जांच की । पुलिस की पूछताछ में मृतक का वजन १४० किलो से ज्यादा था, जिसे कम करने के लिए उन्होंने दो ऑपरेशन करवाए थे ।

गुजरात के भावनगर में चार दुकानें जलकर हुईं खाक, लाखों का हुआ नुकसान

भावनगर। गुजरात के भावनगर जिले के वर्तेज गांव में एक बस स्टैंड से सटी चार दुकानों में आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि आग दुकानों में रविवार की रात लगी। अग्निशमन सेवा के अधिकारियों के अनुसार, आग की लपटों को बुझाने और उससे होने वाले नुकसान को रोकने के लिए दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। आग को बुझाने का काम जारी है। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है। गुजरात के भावनगर जिले के वर्तेज गांव में एक बस स्टैंड से सटी चार दुकानों में आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि आग दुकानों में रविवार की रात लगी। अग्निशमन सेवा के अधिकारियों के अनुसार आग की लपटों को बुझाने और उससे होने वाले नुकसान को रोकने के लिए दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है।

मोपेड पर एमडी ड्रग्स बेचने जा रहे तीन लोगों को पकड़ा

सूरत ९ जून ।

सूरत में रांदेर पुलिस टीम ने तीन लोगों को पकड़ा जो मोपेड पर ड्रग्स बेचने के लिए जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 3.43 लाख कीमत की 34.30 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स, दो मोपेड और 60 हजार रुपये नकद आदि कुल 6.07 लाख रुपये जब्त किए।

सूरत में रांदेर पुलिस की एक टीम ने आरोपी सुलेमान उर्फ एस.के. को रांदेर के चंद्रशेखर आझाद पुल से गिरफ्तार किया। फारूक करवा (उम्र 36), मोहम्मद जाविद उर्फ गुड्डू मोहम्मद जुबेश शेख (उम्र 30) और इजाज अयूब सैयद (उम्र 36) को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के पास से 3.43 लाख का 34.30 ग्राम मेफेड्रोन ड्रग्स, दो मोपेड, 60,200 रुपये नकद, 2 मोबाइल फोन और कुल 6,07,700 रुपये जब्त किए और ड्रग्स की मात्रा की आपूर्ति करने वाले व्यक्ति को वांछित घोषित किया गया।

आरोपीओं ने विलासितापूर्ण जीवन शैली जीने और अपनी सुख-सुविधाओं को पूरा करने के लिए एक-दूसरे की मदद से वांछित आरोपी ने मुंबई महाराष्ट्र में रहने वाले मूसा नामक व्यक्ति से व्हाट्सएप एप्लिकेशन के माध्यम से वर्चुअल मोबाइल नंबर के माध्यम से संपर्क किया। उसके बाद मुंबई सांताक्रूज के पास जाकर एमडी ड्रग्स खरीदकर सूरत लाकर मोपेड पर नशीली दवाओं की खेप को शहर के विभिन्न इलाकों में ग्राहकों को खुदरा बिक्री करते थे। अब पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और इस मामले में आगे की जांच कर रही है। काफी समय से ऐसा चल रहा है कि शहर के कुछ इलाकों से कुछ युवक मोपेड पर नशीली दवाईयों की सप्लाई कर रहे हैं।

अमूल के बाद अब सुमुल डेयरी ने दूध के दाम बढ़ा दिए हैं

सुमुल डेयरी ने दूध के दाम २ रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए हैं, सुमुल उपभोक्ताओं पर प्रतिदिन २४ लाख रुपये का बोझ बढ़ेगा

सूरत, ९ जून ।

अमूल डेयरी के बाद गुजरात में एक और डेयरी ने दूध के दाम बढ़ा दिए हैं । अमूल के बाद सुमुल डेयरी ने दूध के दाम २ रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए हैं । ६ दिन पहले अमूल डेयरी ने दूध के दाम दो रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिए थे । आज से सुमुल डेयरी ने भी कीमत में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर दी है । सूरत समेत तापी जिले के सुमुल ग्राहकों पर प्रतिदिन २४ लाख रुपए का बोझ बढ़ेगा । देश में लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है । महंगाई थम नहीं रही है । अब दक्षिण गुजरात के लोगों के लिए एक और बड़ा झटका आया है । ताजा अपडेट के मुताबिक, अमूल के बाद सुमुल डेयरी ने कीमतें बढ़ा दी हैं । दूध की कीमत में २ रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है । सूरत-तापी जिला सहकारी दुग्ध संघ ने इसमें बढ़ोतरी की है । बढ़ोतरी के बाद नई कीमतें भी सामने आ गई हैं । सुमुल डेयरी द्वारा दूध की कीमत में अचानक बढ़ोतरी से गृहणियों का बजट बिगड़ सकता है ।

सुमुल डेयरी नई दूध की कीमतें

१. अमूल गोल्ड ५०० एमएल की कीमत ३४ रुपये है

२. अमूल शक्ति ५०० एमएल की कीमत ३१ रुपये है

३. अमूल ताजा ५०० एमएल की कीमत २७ रुपये

दो दिन पहले सूरत और तापी जिले के पशुपालकों को एक अच्छी खबर दी गई थी कि पशुपालकों के लिए दूध की किलोफीट कीमत की घोषणा की गई थी । भैंस के दूध में २०रुपये प्रति किलोफैट की बढ़ोतरी की गई । तो गाय के दूध में १५ रुपये प्रति किलोफैट की बढ़ोतरी की गई । भैंस के दूध की कीमत ८३० रुपये प्रति किलोफीट थी, जिसे बढ़ाकर ८५० रुपये कर दिया गया है । एक किलो फैट गाय के दूध की कीमत ७९५ रुपये थी, जिसे बढ़ाकर ८१० रुपये कर दिया गया । सुमुल डेयरी के चेयरमैन मानसिंह पटेल ने यह घोषणा की । इस घोषणा से सूरत तापी जिले के ढाई लाख पशुपालकों को सालाना ६० करोड़ का फायदा होगा । ढाई लाख पशुपालकों के लिए खुशखबरी है ।

गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव खत्म होते ही लोगों पर महंगाई की मार पड़ने लगी है । हाल ही में अमूल दूध में २ रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी । अमूल गोल्ड, अमूल शक्ति, अमूल टी स्पेशल दूध के दाम बढ़ा दिए गए हैं । अब अमूल गोल्ड लीटर की कीमत ६४ रुपये से बढ़कर ६६ रुपये हो जाएगी । जबकि अमूल टी स्पेशल की प्रति लीटर कीमत ६२ रुपये से बढ़कर ६४ रुपये हो जाएगी । इतना ही नहीं, अमूल शक्तिकी कीमत ६० रुपये से बढ़कर ६२ रुपये प्रति लीटर हो जाएगी, जबकि दूध और दही की कीमत में भी बढ़ोतरी हुई है । अब सवाल यह है कि जब अमूल दूध की कीमत बढ़ रही है तो गुजरात की अन्य डेयरियां भी धीरे-धीरे कीमत बढ़ा रही हैं ।

इस वृद्धि से सूरत और तापी जिले के ढाई लाख से ज्यादा पशुपालकों को सालाना रु. 60 करोड़ का फायदा होगा ।

दाहोद: त्रिवेणी संगम पर मिले शव की पहचान हो गई

एक व्यक्तिने चंद पैसों के लिए एक व्यक्तिके सिर पर कोई वस्तु से वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया

दाहोद, ९ जून ।

तालुका के रलियाती त्रिवेणी संगम पर कल मिले लावारिस शवों की गुत्थी पुलिस ने गिनती के कुछ ही घंटों में सुलझा ली है । महज पैसों के लिए एक व्यक्तिने एक व्यक्तिके सिर पर कुंद वस्तु से वार कर उसकी हत्या कर दी । साथ ही सबूत मिटाने के लिए शव को नदी में फेंक दिया और भाग गया । मालूम हो कि पुलिस ने पूरे मामले को सुलझा लिया और आरोपियों को हत्या के साथ लूट के जुर्म में जेल भेज दिया ।

जहां तक ??घटना के विवरण का सवाल है, दाहोद तालुक में रलियाती के पास खान नदी त्रिवेणी संगम पर कल स्थानीय लोगों द्वारा एक अज्ञात व्यक्तिके शव की सूचना दाहोद पुलिस को दी गई । मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला तो उसके सिर पर गंभीर चोटें मिलीं । पुलिस ने इस व्यक्तिकी किसी द्वारा हत्या किये जाने की आशंका जताते हुए शव को पीएम अर्था के लिए भेज दिया और जांच के लिए चार अलग-अलग टीमें गठित कीं ।

पुलिस जांच में पता चला कि यह युवक अगावदा गांव का लाला भाभोर था । पता चला कि इस युवक का अपने पड़ोस में रहने वाले गणेश उर्फ ??सन्नी डामोर से झगड़ा और झगड़ा हुआ था । गणेश डामोर को रेलवे स्टेशन पर गिरफ्तार कर लिया गया और उससे पूछताछ की गई, जबकि पुलिस उसकी तलाश कर रही थी । चूंकि गणेश डामोर को पैसों की जरूरत थी, इसलिए लालाभाई के बीच लड़ाई-झगड़ा होने लगा । और क्रोधित गणेश ने उसके सिर पर किसी कुंद वस्तु से वार करके उसकी हत्या कर दी और शव को नदी में फेंक दिया । उसकी जेब से? पुलिस ने १२०० रुपए निकालने की बात कबूल करते हुए इस मामले में लूट और हत्या का अपराध दर्ज कर गणेश डामोर को जेल भेज दिया है । पुलिस ने आरोपी के पास से खून से सने पैसे बरामद कर लिए हैं । लाला की हत्या करने के बाद आरोपी गणेश डामोर ने उसकी जेब से ?१२०० निकाल लिए । इसी बीच उक्त नोटों पर लालाभाई के खून के निशान आ गये । पुलिस ने आरोपी गणेश डामोर के पास से खून से सने नोट बरामद किये हैं ।

पत्नी के नाजायज संबंधों के शक में पति ने निर्दोष युवक की हत्या कर दी

वलसाड (ईएमएस) शहर में पत्नी के नाजायज संबंधों के शक में पति ने एक निर्दोष युवक को मौत के घाट उतार दिया चार बेटियों के पिता की मौत से परिवार पर मानो आसमान टूट पड़ा है वलसाड ग्रामीण पुलिस ने हत्या के इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है

जानकारी के मुताबिक वलसाड जिले के गाडरिया गांव के निकट ओझर गांव निवासी धर्मेश पटेल का संदिग्ध परिस्थितियों में शव बरामद हुआ था ओझर गांव निवासी धर्मेश पटेल वलसाड के निकट बोलपेन बनाने वाली कंपनी में काम करनेवाले महिला और पुरुष कर्मचारियों को वैन में लेने और छोड़ने का काम करता था घटना के दिन धर्मेश पटेल रोज की भांति एक महिला कर्मचारी को उसके घर छोड़ने जा रहा था

उस वक्त गाडरिया गांव के निकट उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई मृतक की पत्नी जिज्ञाशा पटेल ने वलसाड रूरल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाते हुए अपने पति की हत्या किए जाने की आशंका जताई थी जिज्ञाशा ने पुलिस को बताया कि वह बार बार धर्मेश को फोन कर रही थी उस वक्त किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन रिसीव किया और कहा कि तेरा पति अन्य युवती के साथ पकड़ा गया है और तू जल्द गाडरिया गांव के सीएनजी पंप पर आ जा और अपने पति को लेकर जा जिज्ञाशा जब सीएनजी पंप पहुंची पता चला कि उसके पति को दौरा पड़ने पर धर्मेश को 108 एम्ब्युलैंस के जरिए वलसाड सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया दूसरी जांच में पता चला कि बोलपेन की कंपनी में काम करने वाली गाडरिया गांव निवासी रेश्मा पटेल के पति जेकी पटेल को अपनी पत्नी के वैन चालक धर्मेश पटेल के साथ नाजायज संबंधों का शक था घटना के दिन धर्मेश ने वैन में धर्मेश के साथ रेश्मा को देख लिया था वैन में रेशमा और धर्मेश को देख जेकी पटेल भड़क गया जिसके बाद अपने दोस्त संकेत पटेल के साथ मिलकर जेकी पटेल ने धर्मेश पटेल के इस साथ कदर मारपीट की कि उसकी मौत हो गई पुलिस ने धर्मेश पटेल की हत्या के आरोप में धर्मेश पटेल और उसके दोस्त संकेत पटेल को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है

मिलेनियम मार्केट-2 में एनओसी नवीनीकरण रद्द

सूरत ९ जून ।

राजकोट गेम ज़ोन आपदा के बाद, सूरत नगर निगम ने आक्रामक रूप से सीलिंग अभियान चलाया है। इस बीच काफी हंगामा होने पर नगर निगम ने एनओसी नवीनीकरण कराने वाली संपत्तियों की सील खोलनी शुरू कर दी है। उधर, मिलेनियम टेक्सटाइल मार्केट में 5-5 नोटिस के बावजूद निर्देशों का पालन नहीं करने पर नगर निगम के अग्निशमन विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोनः 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95